दैनिक दिव्य संवाद

RNI No. MPHIN/25/A4421

मौसम आज

तापमान
न्यूनतम - 27 डि.से.
अधिकतम - 38 डि.से.

वर्ष 01 अंक: 126 | उज्जैन शुक्रवार दिनांक 12 जून 2026 ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष द्वादशी संवत् 2083 | पृष्ठ: 8 मूल्य : 02 रूपये

न्यूज गैलरी

हाईटेक हो रही भारतीय नौसेना, दुश्मन की मिसाइल-ड्रोन को भटकाएंगे ये स्वदेशी जैमर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को भारतीय नौसेना के लिए बेहतर क्षमता वाले 20 ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) जैमर खरीदने के लिए एक कंपनी के साथ 449 करोड़ रुपये का अनुबंध किया है। यह अनुबंध 'स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित' श्रेणी के तहत किया गया है। इस जैमर से कई तरह के खतरों वाले माहौल में नौसेना के जहाजों के सुरक्षित अभियान का रास्ता साफ होगा। मंत्रालय ने कहा कि उसने बेंगलुरु की एकार्ड साफ्टवेयर एंड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ नौसेना के लिए बेहतर क्षमता वाले 20 ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम जैमर खरीदने के लिए 449 करोड़ रुपये की कुल लागत का अनुबंध साइन किया है, जिसमें कम से कम 75 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल होगा। इस अनुबंध पर नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। बयान में कहा गया कि इस सिस्टम की क्षमताओं में दुश्मन के जीएनएसएस रिसीवर के सैटेलाइट सिग्नल पकड़ने और ट्रैक करने की क्षमता को कम करना और सिग्नल स्पूफिंग या भ्रामक जैमिंग करना शामिल है। यह अनुबंध आत्मनिर्भर भारत और मेक-इन-इंडिया के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता और देश की समुद्री सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करता है। यह रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने और एडवांस्ड मिलिट्री टेक्नोलाजी को स्वदेशी बनाने की चल रही कोशिशों में एक अहम पड़ाव है।

नेपाल ने भारतीय आमों पर नहीं लगाई रोक, निर्यात जारी; सरकार ने किया साफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने भारत से आम के आयात पर नेपाल में रोक लगाए जाने संबंधी कुछ मीडिया रिपोर्ट को तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक बताते हुए बुधवार को खारिज कर दिया। इसके साथ ही सरकार ने कहा कि नेपाल को होने वाला भारतीय आमों का निर्यात बिना किसी बाधा के लगातार जारी है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने कहा कि नेपाल के प्लांट क्वारंटीन एवं कीटनाशक प्रबंधन केंद्र ने खुद ही 10 जून को यह स्पष्ट किया कि भारतीय आमों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि नेपाल ने भारतीय आम के आयात पर रोक लगा दी है। यह पूरी तरह से गलत और भ्रामक है। इसके साथ ही मंत्रालय ने कहा कि मौजूदा नियमों के तहत पौधों के स्वास्थ्य संबंधी शर्तों का पालन करने पर आयात की अनुमति जारी है। इन शर्तों के अनुपालन पर आयात की अनुमति और रिलीज आर्डर जारी किए जा रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी से अब तक भारत ने नेपाल को 2,005 टन आम की 149 खेपों का निर्यात किया है। जबकि जून में अब तक 266 टन आम की 18 खेपें भेजी जा चुकी हैं। नेपाल ने हाल ही में अपने कुछ आयात नियमों में संशोधन किया है, जिसके तहत फलों एवं अन्य कृषि उत्पादों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गर्म जल उपचार को अनिवार्य बनाया गया है। इस पर भारत ने कहा कि वह नए मानकों के अनुरूप आम के निर्यात को सुगम बना रहा है।

सुशासन से समृद्धिः पीएम मोदी के 12 सालों में ऐसे आसान हुआ आम लोगों का जीवन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के राजनीतिक इतिहास में पिछले 12 वर्ष केवल सत्ता संचालन के नहीं, बल्कि आम नागरिकों के जीवन में आए एक क्रांतिकारी बदलाव के साक्षी रहे हैं। राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में ली गई एक ऐतिहासिक शपथ से शुरू हुआ यह सफर आज देश के कोने-कोने में रहने वाले हर भारतीय के जीवन को सुगम, सुरक्षित और समृद्ध बना रहा है।

फ्रेजाइल फाइव (कमजोर पांच) की कतार से निकलकर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनने तक का भारत का यह सफर असल में हर नागरिक के सपनों को पंख देने जैसा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के इस 12 वर्षों के सेवाकाल ने सुशासन से समृद्धि की उस परिकल्पना को धरातल पर उतारा है, जहां विकास का लाभ समाज के आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति तक बिना किसी भेदभाव के पहुंच रहा है।

टैक्स के बोझ से मुक्ति और सुशासन से समृद्धि का अहसास इन 12 वर्षों में आम आदमी को सबसे बड़ी राहत टैक्स व्यवस्था में सुधारों से मिली है। सरकार ने न केवल टैक्स के ढांचे को सरल बनाया, बल्कि जनता पर से इसका बोझ भी कम किया। साल 2014 में जहां केवल दो लाख रुपये तक की आय टैक्स फ्री थी, वहीं आज यह सीमा बढ़कर 12.75 लाख रुपये तक पहुंच चुकी है।

इस राहत का नतीजा यह हुआ कि टैक्स देने वालों का आधार 5.26 करोड़ से बढ़कर 12.13 करोड़ हो गया। जनता में यह भरोसा जागा है कि उनका एक-एक पैसा सीधे देश के विकास, जैसे - शानदार सड़कों, अत्याधुनिक अस्पतालों और मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण में लग रहा है। पारदर्शी और फेसलेस टैक्स प्रणाली ने नागरिकों के आत्मसम्मान को बढ़ाया है।

डिजिटल क्रांतिः आठ रुपये में एक जीबी डाटा और बदलती ग्रामीण अर्थव्यवस्था- एक समय था जब इंटरनेट अमीरों की जागीर समझा जाता था, लेकिन आज भारत के गांवों में बैठा एक आम किसान या छोटा दुकानदार भी पूरी दुनिया से जुड़ा हुआ है। बीते 12 वर्षों में एक जीबी मोबाइल डाटा की कीमत 269 रुपये से 97 प्रतिशत घटकर महज आठ से 10 रुपये रह गई है।

इस सस्ती तकनीक का ही कमाल है कि देश में इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 25 करोड़ से छलांग लगाकर 103 करोड़ पार कर चुकी है। मोबाइल फोन का आयात करने वाला भारत आज दुनिया का बड़ा निर्यातक बन चुका है। इस डिजिटल रीढ़ ने ई-कामर्स और आनलाइन सेवाओं के जरिये देश के युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के असीम अवसर पैदा किए हैं।

अन्नदाताओं की खुशहाली ः पांच गुना बढ़ा कृषि बजट- देश के किसानों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना इस सरकार की प्राथमिकताओं में शीर्ष पर रहा है। साल 2013-14 में कृषि मंत्रालय का बजट जो महज 27,663 करोड़ रुपये था, वह वित्त वर्ष 2026-27 में पांच गुना बढ़कर 1.4 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

पीएम-किसान योजना के तहत देश के करोड़ों किसानों के खातों में सीधे 4.3 लाख करोड़ रुपये भेजे जा चुके हैं। यूरिया पर 90 प्रतिशत की भारी सब्सिडी देकर किसानों को बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाया गया। इन्हीं कदमों का परिणाम है कि देश में रिकार्ड 3,577 लाख टन खाद्यान्न का उत्पादन हुआ, जिसने देश की खाद्य सुरक्षा को अभेद्य बना दिया है।

भारतीय रेलवे का कायाकल्प ः वंदे भारत और चेनाब ब्रिज का गौरव- आम नागरिक के सफर को सुहाना और सुरक्षित बनाने के लिए भारतीय रेलवे ने इन 12 वर्षों में पुनर्जन्म जैसा दौर देखा है। 2014 के बाद से देश में 36 हजार किलोमीटर से अधिक नई रेल पटरियां बिछाई गईं और ब्राड-गेज नेटवर्क का 99.6 प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा कर भारत नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन की ओर बढ़ रहा है।

कश्मीर में चेनाब नदी पर बना दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्क ब्रिज और अत्याधुनिक वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की शुरुआत नए भारत की आधुनिक पहचान बन चुकी है। अब लंबी कतारों के बिना आसानी से टिकट मिलना और विश्वस्तरीय स्टेशनों पर सफर करना देश के मध्यम वर्ग के लिए एक सुखद हकीकत बन चुका है। 12 वर्षों में भारत के हेल्थकेयर सेक्टर में भी बड़ा बदलाव सरकारी बुकलेट लोक सेवा में प्रधान सेवक के 11 वर्ष के अनुसार, मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में भी अभूतपूर्व सुधार हुआ है।

बेजुबानों की भलाई सबसे ऊपरः सुप्रीम कोर्ट का फैसला, पुनर्वास केंद्र भेजा जाएगा हाथी रमन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बेजुबान जानवरों की भलाई सबसे जरूरी है। कोर्ट ने केरलम सरकार को निर्देश दिया है कि वह %रमन% नाम के हाथी को अपनी कस्टडी में ले।

रमन को राज्य का सबसे ऊंचा हाथी (10.53 फीट) बताया गया है और उसे एक सही रिहैबिलिटेशन सेंटर में रखा जाना चाहिए। जस्टिस दीपांकर दत्ता और सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने पाया कि रमन का कमर्शियल इस्तेमाल किया गया है और उसे धार्मिक जुलूसों और रीति-रिवाजों में इस्तेमाल किया जाता रहा है।

बेंच ने कहा कि यह वाकई दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस हाथी (रमन) की बात हो रही है, उसका कमर्शियल इस्तेमाल किया गया है, जबकि इस तरह के इस्तेमाल पर रोक का आदेश था और यह रोक इस अदालत के सामने दिए गए एक अंडरटेकिंग के आधार पर लगाई गई थी। आगे कहा कि अगर हम ऐसी अवहेलना को नजरअंदाज करते हैं, तो हम बेजुबान जानवरों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रहेंगे।

मालदा के तीन होल्डिंग सेंटरों में 150 से अधिक बांग्लादेशी, अन्य जिलों में गिरफ्तार घुसपैठिए भी यहीं रखे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल में केंद्र सरकार की डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट नीति के तहत राज्य के विभिन्न जिलों में रोजाना घुसपैठिए पकड़े जा रहे हैं।

मालदा जिले में तीन होल्डिंग सेंटरों में 150 से अधिक बांग्लादेशी रखे गए हैं। इनमें दक्षिण बंगाल के बैरकपुर से पकड़े गए सौ से अधिक घुसपैठिए भी शामिल हैं।

जिला पुलिस सूत्रों के अनुसार पहला होल्डिंग सेंटर मालदा के इंग्लिश बाजार थाना क्षेत्र के बागबाड़ी में स्वनिर्भर समूह के प्रशिक्षण केंद्र में बनाया गया था। इसके बाद ओल्ड मालदा के नारायणपुर स्थित जलंगा माठ फ्लड सेंटर में दूसरा होल्डिंग सेंटर शुरू किया गया।

मालदा के पुलिस अधीक्षक अनुपम सिंह ने कहा कि सीमा सुरक्षा और घुसपैठ पर नकेल कसने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

बुधवार को तीसरा होल्डिंग सेंटर मालदा के बामनगोला थाना क्षेत्र में चालू किया गया। इन तीनों होल्डिंग सेंटरों की कुल क्षमता 250 से 300 घुसपैठियों को एक साथ रखने की है।

पत्नी ने पति को दान दी जमीन- भारतमाला में मुआवजा घोटाला, दानपत्र के खेल से सरकार को लगाया करोड़ों का चूना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतमाला सड़क परियोजना में मुआवजा घोटाले की परतें खुलने लगी हैं। अब यह सामने आया है कि अधिग्रहण की सूचना मिलते ही जमीनों को रिश्तेदारों के नाम बांटने, दानपत्र तैयार कराने और स्टांप ड्यूटी बचाने का संगठित खेल खेला गया।

शिकायत और दस्तावेजों के अनुसार, जिम्मेदार लोकसेवकों ने पत्नी, सास-ससुर, साला-साली तक के नाम पर 0.0400 हेक्टेयर के छोटे-छोटे टुकड़े कराए ताकि अधिग्रहण में कई गुना ज्यादा मुआवजा मिल सके। रायपुर जिले में अधिग्रहण की सूचना के बाद जमीनों को रिश्तेदारों के नाम बांटा गया। खसरा नंबर 1460 को 10, 1462 को 6 और 1482 को 5 हिस्सों में विभाजित किया गया।

अधिकांश टुकड़े 0.0400 हेक्टेयर के बनाए गए, ताकि ज्यादा मुआवजा मिल सके। आरोप है कि पत्नी, सास, ससुर, साला और साली तक के नाम पर नामांतरण कराए गए।

देहरागुड़ा में खरीदी गई 13 हेक्टेयर जमीन में से 6.50 हेक्टेयर जमीन दानपत्र से पत्नी के नाम ट्रांसफर की गई। शिकायतकर्ताओं ने इसे स्टांप ड्यूटी बचाने और कई गुना मुआवजा लेने का सुनियोजित खेल बताया है।

शिकायत में कहा गया है कि मुआवजा बढ़ाने के लिए पूरा परिवार खातेदार बना दिया गया। 0.0400 हेक्टेयर के टुकड़ों में जमीन पत्नी, सास, ससुर, साला, साली और रिश्तेदारों के नाम दर्ज कराई गई। कई नामांतरण आशय पत्र जारी होने के तुरंत बाद हुए। आरोप है कि जमीन का वास्तविक उपयोग कृषि नहीं बल्कि अधिग्रहण मुआवजा कमाने के लिए किया गया।

राजस्थान में चार करोड़ की हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार, तस्करों से पूछताछ में बड़ा खुलासा होने की उम्मीद

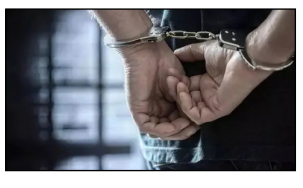

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के टोंक जिले में पुलिस ने दो किलो 49 ग्राम हेरोइन पकड़ी है। पुलिस ने पकड़ी गई हेरोइन की बाजार में कीमत चार करोड़ से अधिक की बताई है। पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस उप अधीक्षक रामअवतार ने बताया कि मंगलवार रात पिपलु थाना पुलिस ने नियमित नाकाबंदी कर रखी थी। इसी दौरान पुलिसकर्मियों को एक बोलेरो गाड़ी में सवार दो संदिग्ध लोग नजर आए। पुलिस ने बोलेरो को रोक कर जांच की तो हेरोइन बरामद की गई । पकड़े गए दोनों तस्कर हनुमान एवं अमन कुमार पिपलु क्षेत्र के ही निवासी हैं। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। पुलिस यह जांच कर रही है कि दोनों तस्कर हेरोइन कहां से लेकर आए थे और किस व्यक्ति को कहां देनी थी। कहीं यह किसी अंतरराज्यीय गिरोह से जुड़ा हुआ मामला तो नहीं है।

नीट-यूजी री-एग्जामः संसदीय समिति के सामने सरकार का वादा - अब नहीं होगी कोई चूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट-यूजी की तीन मई को हुई परीक्षा में पेपर लीक के आरोपों और मानसिक तनाव से जूझ रहे लाखों मेडिकल उम्मीदवारों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है।

स्वास्थ्य और शिक्षा मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों ने संसदीय स्थायी समिति को आश्वासन दिया है कि 21 जून को होने वाली नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी, सुरक्षित और निष्पक्ष होगी।

संसदीय समिति के सामने रखा पक्ष - समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव की अध्यक्षता वाली इस समिति के सामने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह, उच्च शिक्षा सचिव विनीत जोशी और नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के अध्यक्ष अभिजात सी. सेठ ने अपना पक्ष रखा। वैश्विक स्तर से सीख और समन्वय की जरूरत संसदीय समिति के सदस्यों ने अधिकारियों को अमेरिका और चीन जैसे देशों का उदाहरण दिया, जहां इतनी बड़ी परीक्षाएं बिना किसी शिकायत या पेपर लीक के आयोजित की जाती हैं। समिति ने सुझाव दिया कि भारत को भी इन वैश्विक मानकों और बेस्ट प्रैक्टिसेज को अपनाना चाहिए।

नीट को लेकर फूल-प्रूफ बंदोबस्त- इसके साथ ही, भविष्य में ऐसी गलतियों को रोकने के लिए एनएमसी और एनटीए के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता पर बल दिया गया। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि आगामी परीक्षा के लिए फूल-प्रूफ बंदोबस्त किए जा चुके हैं।

छात्रों का तनाव और आत्महत्याओं पर चिंता बैठक में सांसदों ने पेपर लीक और परीक्षाओं के रद होने से छात्रों में बढ़ते मानसिक तनाव और आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की।

दोषियों की गिरफ्तारी पर रिपोर्ट सौंपी- समिति ने सरकार से पीड़ित परिवारों की मदद करने और छात्रों का हौसला बढ़ाने की अपील की। दूसरी ओर, सीबीआई के निदेशक प्रवीण सूद ने भी समिति को पेपर लीक मामले की जांच और दोषियों की गिरफ्तारी की प्रगति रिपोर्ट सौंपी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्पष्ट किया है कि खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस परीक्षा की निगरानी कर रहे हैं और पिछली गलतियों को किसी भी कीमत पर दोहराया नहीं जाएगा।

महाकाल की सवारी के हाथी श्यामू के ब्लड टेस्ट से मालिक का इनकार

डॉक्टर बोले- कभी भी गिर सकता है हाथी-स्वास्थ्य जांच टीम को लौटना पड़ा खाली हाथ

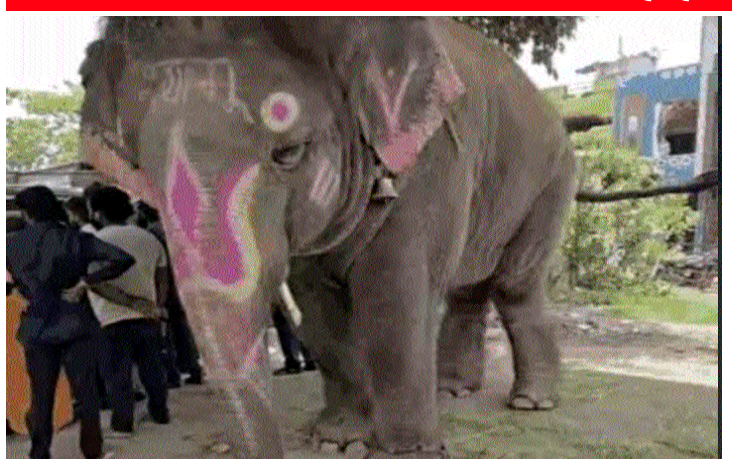

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। भगवान महाकाल की सवारी में शामिल होने वाले हाथी श्यामू की सेहत को लेकर विवाद एक बार फिर गहरा गया है। गुरुवार को हाथी की स्वास्थ्य जांच और ब्लड सैंपल लेने पहुंची विशेषज्ञों की टीम को मालिक और परिजनों के विरोध का सामना करना पड़ा। काफी देर तक चली बहस के बाद टीम बिना ब्लड सैंपल लिए वापस लौट गई।

हालांकि जांच के लिए हाथी के मल और मूत्र के नमूने लिए गए हैं। गुरुवार को इंदौर रोड स्थित साईनाथ कॉलोनी में पहुंची संयुक्त टीम में पन्ना टाइगर रिजर्व, इंदौर चिड़ियाघर और उज्जैन के पशु चिकित्सक शामिल थे। टीम का उद्देश्य हाथी श्यामू के स्वास्थ्य की वास्तविक स्थिति का पता लगाना था। मौके पर श्यामू जंजीरों से बंधा हुआ मिला।

डॉक्टरों की चिंता- पैरों में गंभीर परेशानी, चलने में खतरा....

पशु चिकित्सकों के अनुसार श्यामू के पैरों में गंभीर समस्या दिखाई दे रही है। उसके पैर मुड़ने लगे हैं, जिससे उसके कभी भी गिरने की आशंका बनी हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि बीमारी की सही स्थिति और अंदरूनी परेशानी का पता लगाने के लिए ब्लड टेस्ट बेहद जरूरी था, लेकिन विरोध के कारण यह जांच पूरी नहीं हो सकी। उज्जैन के पशु चिकित्सक डॉ. मुकेश जैन ने बताया कि श्यामू वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत शेड्यूल-1 श्रेणी का वन्यजीव है। इसलिए उसका नियमित स्वास्थ्य परीक्षण जरूरी है। उन्होंने कहा कि हाथी की वर्तमान स्थिति को देखते हुए विस्तृत जांच आवश्यक है।

मालिक का दावा- श्यामू पूरी तरह स्वस्थ.....

वहीं हाथी के मालिक सरमन गिरी ने चिकित्सकों की चिंता को खारिज करते हुए कहा कि श्यामू पूरी तरह स्वस्थ है। उनके पास हाथी से जुड़े सभी वैध दस्तावेज मौजूद हैं और वर्ष 2006 से उसका स्वामित्व उनके नाम पर है। सरमन गिरी का आरोप है कि कुछ लोग हाथी को यहां से हटाकर वनतारा या किसी चिड़ियाघर में भेजना चाहते हैं, इसलिए उसे बीमार बताया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि श्यामू वास्तव में अस्वस्थ है तो वर्ष 2016 से लगातार महाकाल की सवारी में शामिल होने की अनुमति कैसे मिलती रही।

सितंबर 2025 से जारी है विवाद...

हाथी श्यामू के स्वास्थ्य और रखरखाव को लेकर सितंबर 2025 से विवाद चल रहा है। इससे पहले भी वन विभाग और विशेषज्ञों की टीमें उसका परीक्षण करने पहुंच चुकी हैं। हाथी को सुरक्षित स्थान पर भेजने की चर्चा भी सामने आई थी, लेकिन मालिक ने हर बार विरोध करते हुए उसे स्वस्थ बताया। अब मल और मूत्र की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही श्यामू की वास्तविक स्वास्थ्य स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल महाकाल की सवारी में शामिल होने वाले इस हाथी को लेकर प्रशासन, विशेषज्ञों और मालिक के बीच मतभेद फिर सामने आ गए हैं।

सिंहस्थ-2028 के कार्यों में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई

कलेक्टर श्री सिंह के निर्देशानुसार स्मार्ट सिटी मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवा ने निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देशानुसार सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के अंतर्गत किए जा रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति सुनिश्चित करने के लिए स्मार्ट सिटी मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप शिवा द्वारा स्मार्ट सिटी के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित निर्माण एजेंसियों एवं अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई।

झालरिया मठ क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान पाया गया कि विगत 10 दिनों में निर्माण कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है। इस पर संबंधित निर्माण एजेंसी पर 50 हजार रुपये की पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही सहायक यंत्री को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने तथा संबंधित उपयंत्री के तीन दिवस के वेतन की कटौती करने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान भारत माता मंदिर से चौबीस खंभा मार्ग तक निर्माणाधीन सड़क कार्य की भी समीक्षा की गई। 24 मीटर चौड़ाई एवं 360 मीटर लंबाई के इस महत्वपूर्ण मार्ग के निर्माण कार्य में भी अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर संबंधित निर्माण एजेंसी पर 74 हजार रुपये की पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को कार्य की गति बढ़ाकर निर्धारित समय-सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप सिंहस्थ-2028 से जुड़े विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति की नियमित समीक्षा की जा रही है। किसी भी स्तर पर लापरवाही, शिथिलता अथवा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित निर्माण एजेंसी एवं अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्माण एजेंसियों एवं अधिकारियों को पर्याप्त संसाधन बढ़ाकर निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

पेट्रोल पंप पर गड़बड़ी का खुलासा... 5 लाख का पेट्रोल-डीजल राजसात

स्टॉक में मिला भारी अंतर, 1139 लीटर पेट्रोल कम और 911 लीटर डीजल ज्यादा

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। पेट्रोल पंप पर अनियमितता करना संचालक को भारी पड़ गया। घट्टिया तहसील के बिछड़ौद स्थित बोडाना पेट्रोलियम पर जांच में गड़बड़ी मिलने के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए करीब 5 लाख रुपए मूल्य का पेट्रोल-डीजल राजसात करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

गुरुवार को अपर कलेक्टर अत्येन्द्र सिंह गुर्जर ने सहायक आपूर्ति अधिकारी और नापतौल निरीक्षक की जांच रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की है। जांच में पेट्रोल पंप के रिकॉर्ड और मौके पर मौजूद स्टॉक में बड़ा अंतर सामने आया।

जांच में ऐसे खुली पोल....

अधिकारियों ने अचानक निरीक्षण किया तो स्टॉक रजिस्टर और वास्तविक स्टॉक का मिलान करने पर 1139 लीटर पेट्रोल कम और 911 लीटर डीजल अधिक पाया गया। इसके अलावा पंप पर ग्राहकों के लिए अनिवार्य निःशुल्क हवा की सुविधा उपलब्ध नहीं थी और ऑटोमेशन मशीन भी बंद मिली।

21 हजार लीटर से ज्यादा ईंधन जब्त....

अनियमितता मिलने पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए 4789 लीटर पेट्रोल और 17,178 लीटर डीजल जब्त किया था। जांच के बाद पंप संचालक को मोटर स्पिरिट एवं हाईस्पीड डीजल आपूर्ति-वितरण नियमों के उल्लंघन का दोषी माना गया।

सरकारी खाते में जमा होगी राशि....

प्रशासन ने जब्त ईंधन को राजसात करने का आदेश दिया है। अब इस सामग्री के विक्रय से मिलने वाली राशि सरकारी खाते में जमा कराई जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से जिले के अन्य पेट्रोल पंप संचालकों में भी हड़कंप मच गया है।

उज्जैन को मिली 146 करोड़ से ज्यादा के नए प्रोजेक्ट्स की मंजूरी

नए पुल, सड़कें और मार्ग चौड़ीकरण को स्वीकृति- शिप्रा घाटों का निर्माण चरणबद्ध तरीके से करने के निर्देश

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। सिंहस्थ की तैयारियों को गति देते हुए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में उज्जैन के लिए 146 करोड़ रुपए से अधिक लागत के कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों को मंजूरी दी गई। इनमें नए पुल, सड़क निर्माण, मार्ग चौड़ीकरण और श्रद्धालुओं की सुविधा बढ़ाने वाले प्रोजेक्ट शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शिप्रा नदी के घाटों का निर्माण तय समय-सीमा में पूरा किया जाए तथा घाटों तक पहुंचने वाले मार्गों और पार्किंग की व्यवस्था भी साथ-साथ विकसित की जाए।

बैठक में मंजूर कार्यों में शनि मंदिर से प्रशांति धाम चौराहा मार्ग तक 30 करोड़ रुपए की लागत से पुल और एप्रोच रोड निर्माण, तपोभूमि-पिपलियाराघो पंचक्रोशी मार्ग पर कान्ह नदी पर 12 करोड़ रुपए का समानांतर पुल तथा तपोभूमि से गंगेड़ी होते हुए राघोपिपल्या तक 5.5 किलोमीटर लंबी दो लेन सड़क का निर्माण शामिल है। इस सड़क पर करीब 30 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके अलावा देवास रोड से लालपुर होते हुए गरोठ मार्ग तक ढाई किलोमीटर लंबा फोरलेन पंचक्रोशी मार्ग 18 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। लेकोड़ा से टनकारिया रेलवे स्टेशन रोड तक 13.28 करोड़ रुपए की लागत से 2.5 किलोमीटर सड़क निर्माण को भी मंजूरी मिली है।

शहर के भीतर यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए महाकाल थाना से चौबीस खंबा मार्ग तक 180 मीटर लंबी नई सड़क 4 करोड़ रुपए की लागत से बनाई जाएगी।

वहीं कुशाभाऊ ठाकरे मार्ग से छोटी रपट तक सड़क चौड़ीकरण पर 36.75 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। देवास रोड स्थित पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह और सर्किट हाउस के विस्तार एवं नवीनीकरण को भी स्वीकृति दी गई है।

घाटों के साथ विकसित होंगे पहुंच मार्ग और पार्किंग....

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैठक में शिप्रा नदी के किनारे विकसित किए जा रहे घाटों की विशेष समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि घाटों का निर्माण चरणबद्ध तरीके से तेजी से पूरा किया जाए। घाटों तक आने-जाने वाले मार्ग, पार्किंग स्थल और अन्य मूलभूत सुविधाओं का विकास भी समानांतर रूप से किया जाए ताकि सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि घाटों के पास स्थित आश्रमों और गुरुकुलों को घाट प्रबंधन से जोड़ा जाए। इससे सिंहस्थ के बाद भी घाटों का बेहतर रखरखाव और उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा। प्रशासन को निर्देश दिए गए कि श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम आवागमन और दीर्घकालिक उपयोग को ध्यान में रखते हुए सभी निर्माण कार्य तय समय-सीमा में पूरे किए जाएं। बैठक में यह भी बताया गया कि सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत उज्जैन और आसपास के क्षेत्रों में हजारों करोड़ रुपए के विकास कार्य प्रगति पर हैं। साथ ही पंचक्रोशी मार्ग और शहर क्षेत्र में व्यापक पौधरोपण अभियान चलाकर 15 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

संभाग आयुक्त श्री सिंह ने नियमित निरीक्षण के तहत सड़कों की क्वालिटी की जांच कराई

श्री सिंह ने गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण किया

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। सिहंस्थ महापर्व 2028 के विश्व स्तरीय आयोजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर विकास कार्यों के साथ नवीन सड़क निर्माण, मार्ग चौड़ीकरण कार्य और ब्रिज का निर्माण के कार्य प्रगतिरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पष्ट निर्देश दिए है कि सभी तरह के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। प्रशासनिक अधिकारी सिंहस्थ के प्रचलित कार्यों की प्रगति देखने के साथ ही गुणवत्ता को लेकर सतत मॉनिटरिंग कर रहे है। गुरूवार को नियमित निरीक्षण के तहत संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने सड़क निर्माण कार्य में उपयोग की गई निर्माण सामग्री का गुणवत्ता परीक्षण कराया।

गुरुवार को सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत प्रगतिरत निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण के तहत संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग की केंद्रीय परीक्षण प्रयोगशाला की टीम के साथ नानाखेड़ा चौराहा पर निर्माणाधीन सिक्स लेन सड़क निर्माण कायजू और लालपुल से भूखी माता होकर मुरलीपुरा बडनगर रोड़ तक निर्माणाधीन सिक्स लेन सड़क निर्माण कार्य में उपयोग की गई सामग्री की मानक स्तर पर गुणवत्ता की जांच कराई।

संभागायुक्त श्री सिंह की उपस्थिति में अधिकारियों ने सड़क निर्माण एक हिस्से से खोदकर निर्माण सामग्री निकालने के बाद इसका परीक्षण प्रयोगशाला में विभिन्न स्तरों पर कराया गया। प्रयोगशाला में निर्माण सामग्री के परीक्षण के बाद मूल्यांकन का मानक स्तर रजिस्टर में दर्ज किया गया। इस दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने क्वालिटी परीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण कर विभिन्न परीक्षण में उपयोग होने वाली मशीनों की जानकारी भी ली। संभाग आयुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सिंहस्थ महापर्व के लिए निर्माणाधीन ब्रिज निर्माण, सड़क निर्माण, मार्ग चौड़ीकरण कार्य, शिप्रा नदी पर घाट निर्माण सहित अन्य प्रचलित विकास कार्यों में निर्माण सामग्री के उपयोग के दौरान गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। निर्माण सामग्री की गुणवत्ता कंप्रेसिव स्ट्रेंथ- कंक्रीट के क्यूब्स बनाकर पानी में रखकर इसकी भार सहने की क्षमता मापी जाती है।

- सेटिंग टाइम- सीमेंट तय समय में जम रहा है या नहीं।
- क्यूब टेस्ट और स्लम टेस्ट- कंक्रीट की गुणवत्ता और कार्य करने की क्षमता जांची जाती है।
- स्टील परीक्षण-स्टील की छड़ों की खिंचाव और भार सहने की क्षमता की जांच होती है।
- वजन और व्यास -स्टील का वजन और मोटाई मानक के अनुसार होनी चाहिए।
- क्रशिंग और इम्पैक्ट टेस्ट - पत्थरों पर पडने वाले दबाव और झटकों को सहने की क्षमता मापी जाती है।
- लॉस एंजिल्स एब्रेशन टेस्ट- गिट्टी कितनी घिसती है इसकी जांच होती है।
- मिट्टी और सब-ग्रेड सीबीआर टेस्ट- सड़क की नींव की मजबूती जांचने के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट है।
- प्रोक्टर कॉम्पेक्शन टेस्ट-मिट्टी में कितनी नमी है और संघनन के बाद उसका घनत्व क्या होगा, यह मापा जाता है।

मीरा माधव मंदिर पर अधिक मास की एकादशी के अवसर पर विभिन्न प्रजाति के आम का भोग लगाया गया

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। मीरा माधव मंदिर पर अधिक मास की एकादशी के अवसर पर विभिन्न प्रजाति के आम का भोग लगाया गया। अजेंद्र त्रिवेदी ने बताया कि परमा एकादशी तीन साल में एक बार आने वाले अधिक मास की एकादशी माना जाता है।

यह दिन भगवान विष्णु की पूजा और उपवास के लिए अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है। इस अवसर पर भगवान श्री कृष्ण का आकर्षक श्रृंगार किया गया तथा महिला मंडल द्वारा भजन कीर्तन का आयोजन किया गया तथा प्रसादी वितरित की गई।

महाकाल भस्मारती में वीआईपी परमिशन के नाम पर सौदेबाजी, पुजारी महासंघ ने की निष्पक्ष जांच की मांग

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर की भस्मारती में वीआईपी प्रोटोकॉल परमिशन के नाम पर सामने आई सौदेबाजी को लेकर अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने कड़ी आपत्ति जताई है। महासंघ ने इस धांधली की कड़ी निंदा करते हुए प्रबंध समिति अध्यक्ष व कलेक्टर से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

अखिल भारतीय पुजारी महासंघ के राष्ट्रीय सचिव रूपेश मेहता ने बताया कि महाकाल मंदिर में वीआईपी प्रोटोकॉल व्यवस्था पूरी तरह हावी हो चुकी है। मंदिर के अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक केवल वीआईपी की आवभगत में लगे रहते हैं। मंदिर समिति द्वारा आम भक्तों के हित में लिए गए निर्णयों का जमीनी स्तर पर कोई लाभ उन्हें नहीं मिल रहा है। मंदिर की सारी सुविधाएं सिर्फ वीआईपी प्रोटोकॉल वालों तक सिमट कर रह गई हैं।

पुजारियों पर सख्ती, वीआईपी प्रोटोकॉल पर आंखें बंद

महासंघ ने आरोप लगाया कि प्रशासक का ध्यान केवल पंडे-पुजारियों के यजमानों और सेवकों पर प्रतिबंध लगाने पर केंद्रित है। वीआईपी प्रोटोकॉल पर उनकी कोई नजर नहीं है, जिसके कारण भस्मारती में व्यापक पैमाने पर धांधली और अव्यवस्था फैल रही है। वीआईपी की सेवा में लगे मंदिर कर्मचारियों की मनमानी भी चरम पर है, जो सिर्फ पुजारियों के सेवकों पर दबाव बनाते देखे जा सकते हैं।

आम श्रद्धालुओं के छिन रहे दर्शन के अधिकार

मेहता ने बताया कि अन्य विभागों के कर्मचारी नंदी हॉल से लेकर चौथे बैरिकेड तक वीआईपी प्रोटोकॉल के लोगों को बैठाते नजर आते हैं, जिन पर मंदिर समिति कोई रोक नहीं लगा पा रही है। इससे आम श्रद्धालुओं के दर्शन का अधिकार छिन रहा है।

अपर कलेक्टर श्री गुर्जर द्वारा पेट्रोल पंप पर अनियमितता पाए जाने पर 5 लाख रुपये मूल्य का पेट्रोल-डीजल राजसात करने का आदेश दिया

उज्जैन । अपर कलेक्टर श्री अत्येन्द्र सिंह गुर्जर द्वारा सहायक आपूर्ति अधिकारी, घट्टिया एवं नापतौल निरीक्षक द्वारा आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत बोडाना पेट्रोलियम, बिछड़ौद, तहसील घट्टिया से जब्तशुदा पेट्रोल/डीजल मूल्य 5,00,000 रुपये को राजसात करने का आदेश दिया।

सहायक आपूर्ति अधिकारी, घट्टिया एवं नापतौल निरीक्षक द्वारा प्रो. बोडाना पेट्रोलियम, बिछड़ौद, तहसील घट्टिया का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान स्टॉक पंजी एवं भौतिक स्टॉक के मिलान में पेट्रोल 1,139 लीटर कम तथा डीजल 911 लीटर अधिक पाया गया, जो कि निर्धारित सीमा से अधिक था। निरीक्षण के समय निःशुल्क हवा की सुविधा उपलब्ध नहीं थी तथा ऑटोमेशन मशीन भी बंद पाई गई। अनियमितता पाए जाने पर 4,789 लीटर पेट्रोल एवं 17,178 लीटर डीजल जाब्ता किया गया। प्रकरण के परीक्षण उपरांत संबंधित पेट्रोल पंप संचालक को मोटर स्पिरिट एवं हाईस्पीड डीजल (आपूर्ति, वितरण का विनियमन और कदाचारों की रोकथाम) आदेश, 2005 की कंडिका 3(1) एवं 3(3)ख) के उल्लंघन का दोषी पाया गया।

शासकीय हाईस्कूल चकरावदा में शिक्षा संवाद उन्मुखीकरण एवं प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित

उज्जैन। शासकीय हाई स्कूल चकरावदा मे शिक्षा संवाद उन्मुखीकरण का शुभारंभ 11 जून को जनशिक्षक दिनेश शास्त्री, दयाराम नरवरे प्राचार्य, योगेश शर्मा द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर संकुल रूई अंतर्गत समस्त संस्था के शिक्षक शिक्षिकाओं ने शिक्षा संवाद में भाग लिया।

इसमें जिला पंचायत सीईओ व जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक एवं वरिष्ठ शिक्षा अधिकारी द्वारा समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं से अपार आईडी, नामांकन, छात्रवृत्ति योजना, साइकिल, एफ एल एन, योग दिवस, प्रार्थना सभा, अकादमी उन्नयन, वित्तीय प्रबंधन, निदात्मक कक्षाएं आदि विषयों पर विचार एवं निर्देश दिए। इस अवसर पर समस्त विधालय के शिक्षकों ने निर्दोशो को नोट किया। जनशिक्षक दिनेश शास्त्री ने आगामी सत्र में अकादमिक योजनाएं के बारे में जानकारी प्रदान की। शिक्षा संवाद कार्यक्रम का संचालन सचिन बैरागी व आभार शहजाद खान ने माना। उक्त जानकारी जनशिक्षक दिनेश शास्त्री ने दी।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय को भेंट किया गया पंडित दीनदयाल उपाध्याय पर आधारित 15 खंडों की पुस्तकों का सेट

कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज बोले– वैचारिक अध्ययन और शोध को मिलेगी नई दिशा

उज्जैन । भारतीय चिंतन, राष्ट्र निर्माण और एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित 15 खंडों की महत्वपूर्ण पुस्तक श्रृंखला का संपूर्ण सेट गुरुवार को सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन को भेंट किया गया।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय की सतत् शिक्षा अध्ययनशाला में निदेशक डॉ. सुशील कुमार शर्मा और संभागीय जनसंपर्क कार्यालय के उप संचालक श्री अरुण कुमार राठौर ने यह पुस्तक सेट विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज को सौंपा।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय की सतत् शिक्षा अध्ययनशाला और पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला को जनसंपर्क संचालनालय मध्यप्रदेश शासन भोपाल द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाशित 15 खण्ड के पुस्तकों का वांग्मय शोध और जनमानस में प्रसारित करने हेतु प्रेषित किया गया जिसे अध्ययनशाला के कार्यालय में कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज ने प्राप्त किया।

इस 15 खण्ड के पुस्तकों का वांग्मय कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज को सौंपते हुए संयुक्त संचालक श्री अरुण राठौर ने पुस्तक श्रृंखला की विशेषताओं, विषयवस्तु तथा वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने पुस्तकों के वांग्मय के बारे में बताते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन भारतीय संस्कृति, सामाजिक समरसता, अंत्योदय और राष्ट्रहित के मूल्यों से प्रेरित रहा है। पुस्तक श्रृंखला में उनके जीवन दर्शन, वैचारिक दृष्टिकोण, संगठन क्षमता, राजनीतिक चिंतन तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की अवधारणा का विस्तृत वर्णन किया गया है।

इसी कड़ी में सतत् शिक्षा अध्ययनशाला के निदेशक डॉ. सुशील कुमार शर्मा ने इस 15 खण्ड के पुस्तकों के वांग्मय पर कहा कि यह पुस्तक श्रृंखला विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। विद्यार्थियों को भारतीय विचार परंपरा, राजनीतिक चिंतन और सामाजिक सरोकारों को समझने के लिए प्रामाणिक साहित्य की आवश्यकता होती है। यह पुस्तक संग्रह उस आवश्यकता की पूर्ति करेगा तथा शोध और थीसिस कार्यों के लिए महत्वपूर्ण संदर्भ सामग्री उपलब्ध कराएगा।

इस 15 खण्ड के पुस्तकों के वांग्मय के लेखक पूर्व राज्यसभा सदस्य श्री महेश चंद्र शर्मा हैं, जिन्होंने वर्षों के अध्ययन और शोध के आधार पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों एवं कार्यों का विस्तृत दस्तावेजीकरण किया है। श्री शर्मा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रचारक का दायित्व भी निभा चुके हैं। पुस्तकों में दीनदयाल उपाध्याय के भाषणों, लेखों, पत्राचार, संगठनात्मक योगदान, सामाजिक दृष्टिकोण तथा एकात्म मानववाद के सिद्धांतों का समग्र संकलन किया गया है। कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज ने इस 15 खण्ड के पुस्तकों का वांग्मय प्राप्ति पर कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा ही नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा और वैचारिक विरासत से जोड़ने का भी कार्य कर रहा है यह पुस्तक श्रृंखला विश्वविद्यालय पुस्तकालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों और अध्यापकों के अध्ययन हेतु उपलब्ध रहेगी।

साथ ही विभिन्न विषयों के अध्ययन-अध्यापन में भी इसका उपयोग किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह संग्रह विद्यार्थियों के वैचारिक विकास और शोध कार्यों को नई दिशा प्रदान करेगा।

योग है तो दवाइयां मुक्त है जीवन के संदेश के साथ आरोग्य भारती मनाएगा योग सप्ताह

उज्जैन। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के अवसर पर आरोग्य भारती मालवा प्रांत द्वारा उज्जैन महानगर और ग्रामीण क्षेत्रों में योग सप्ताह मनाया जाएगा। संस्था का मानना है कि योग केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का आधार है। इसी दृष्टिकोण के साथ पूरे सप्ताह आयोजन किए जाएंगे, ताकि योग है तो दवाइयां मुक्त है जीवन का संदेश जन-जन तक पहुंच सके।

आरोग्य भारती उज्जैन महानगर अध्यक्ष डॉ. महेंद्र पाटीदार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में इन कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। आरोग्य भारती ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्री एसपी अहिरवार ने बताया कि महानगर और ग्रामीण की टोली द्वारा जिले के प्रत्येक गांव से लेकर नगरों तक व्यापक स्तर पर योग कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया गया है। इसी कड़ी में घटिया तहसील में भी वृहद स्तर पर आयोजन करने का निर्णय लिया गया है।

इस महत्वपूर्ण बैठक में महानगर सचिव मनीष अग्रवाल, डॉ. दीपक जोशी, डॉ. नरेंद्र गोमैं, जगदीश चंद्र भाटी, कोषाध्यक्ष सुभाष गोआ, महेश धनेलिया, राजेंद्र बारूपाल, डॉ. रमाकांत मिश्रा, मिथिलेश शर्मा और आलोक खरे उपस्थित रहे।

हरिश ललावत अखिल भारतीय बैरवा युवा महासभा राष्ट्रीय प्रभारी

उज्जैन। अखिल भारतीय बैरवा युवा महासभा द्वारा हरिश ललावत को राष्ट्रीय प्रभारी नियुक्त किए जाने पर समाजजनों में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण है। इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए हरिश ललावत ने महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदयाल बड़ोदिया, राष्ट्रीय महामंत्री रामनिवास जोनवाल एवं शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर वे पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर समाज के अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए हरिश ललावत को शुभकामनाएं दीं। शुभकामना देने वालों में हरिनारायण बैरवा, ओंकार बैरवा, राजेश जारवाल, सुरेन्द्र मरमट, राहुल अखंड, कुलदीप बैंडवाल खलीफा, राजकुमार खलीफा, नवीन धंधेरवाल, राकेश मरमट, फूलसिंह कुवाल, हरिशंकर वट, जगदीश मीमरोठ, दीनू बड़ोदिया, नितिन मरमट, सचिन गोमे, राकेश बैंडवाल, मयूर जाटवा, दिलीप ललावत, नागसेन जीनवाल, कमलेश कोलवाल, लालचंद वाडिया, अविनाश जाटवा, सतीश मरमट, लालचंद जाटवा, हिमांशु सहित अनेक समाजजन शामिल हैं।

समाजजनों ने विश्वास व्यक्त किया कि हरिश ललावत के नेतृत्व एवं अनुभव से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी तथा समाजहित के कार्यों को और अधिक गति प्राप्त होगी।

हरिफाटक ब्रिज के नीचे कबाड एवं मुर्गा- मुर्गी विक्रय का व्यापार अवैध रूप से करते पाए जाने पर आयुक्त द्वारा स्वयं उपस्थित रहे कर तत्काल हटवाया अतिक्रमण

उज्जैन- 'सिंहस्थ महापर्व 2028 को दृष्टि गत रखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधाओं को के लिए विभिन्न मार्गों के चौड़ीकरणके साथ विकास कार्य निर्माणाधीन है निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करने के लिए निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा नियमित रूप से स्वयं कार्य स्थल पर पहुंचकर प्रचलित कार्यों की जानकारी प्राप्त की जा रही है इसी क्रम में गुरुवार को निगम आयुक्त द्वारा गुरुवार को सुबह हरीफाटक उन्नयन विकास कार्य के अंतर्गत ब्रिज के नीचे बारह खोली स्थल का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक 29 में हरिफाटक ब्रिज के नीचे मुज्जफर खान एवं सलमान द्वारा अवैध रूप से मुर्गी विक्रय एवं कबाड का व्यवसाय करते पाए गए इस दौरान वहां पर कबाड विक्रय हेतु खड़े वाहन की जांच की गई जिसमें पाया गया है उक्त कबाड निगम द्वारा संग्रहित किये जाने वाले कचरे में से निकाला गया है तथा मौके पर आउटसोर्स ऐजेंसी अन्तर्गत कार्यरत ड्रायवर एवं हेल्पर पाए गए।

आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा स्वयं स्थल पर उपस्थित रह कर अतिक्रमण को जेसीबी के माध्यम से हटवाया गया साथ ही अवैध रूप से कबाड बेचने वाले दोनो आउटसोर्स कर्मचारियों एवं दुकान संचालक के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराए जाने की कार्यवाही की गई इसके साथ ही जिस वाहन से कबाड लाया गया था उसे भी जप्त किये जाने की कार्यवाही तत्काल की गई।

कार्यवाही के दौरान उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता, स्वास्थ अधिकारी श्री कालूराम सोलंकी, स्वास्थ निरीक्षक एवं निगम की रिमूवल गैंग कर्मचारी मौजूद रहे।

सीईओ जिला पंचायत की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित

उज्जैन । गुरुवार को सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कुमट की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई।

सीईओ जिला पंचायत श्री कुमट ने निर्देश दिए कि आयुष्मान भारत योजना के पात्र हितग्राहियों तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के समस्त नागरिकों के शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया की रोकथाम एवं प्रबंधन हेतु प्रभावी कार्यवाही की जाए। 100 दिवसीय टीबी मुक्त अभियान के अंतर्गत समस्त ग्राम पंचायतों में शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग, एक्स-रे एवं फूड बास्केट वितरण सुनिश्चित किया जाए। उज्जैन शहरी क्षेत्र, नरवर एवं बड़नगर में शत-प्रतिशत एक्स-रे कर टीबी स्क्रीनिंग पूर्ण की जाए। टीकाकरण के अंतर्गत बड़नगर एवं खाचरौद में एमआर-1 एवं एमआर-2 का शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण किया जाए।

पोषण पुनर्वास केन्द्रों में शत-प्रतिशत बेड ऑक्यूपेंसी हेतु स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के मध्य समन्वय स्थापित किया जाए। बड़नगर में एनआरसी पोर्टल पर शून्य प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की गई तथा तराना में भी संतोषजनक प्रगति नहीं पाई गई। नियमित मॉनिटरिंग कर कुपोषित बच्चों को भर्ती करवाया जाए एवं फॉलो-अप सुनिश्चित किया जाए। एसएनसीयू में लामा दर कम करने हेतु विशेष ध्यान दिया जाए।

मातृ एवं शिशु मृत्यु के मामलों का ऑडिट कर पीपीटी तैयार कर रिव्यू किया जाए तथा पाए गए मेजर पॉइंट्स पर सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित कर मैदानी अमले को अवगत कराया जाए। आरबीएसके कार्यक्रम के अंतर्गत शेष चिन्हित सर्जरी ऑपरेशनों को शत-प्रतिशत पूर्ण करवाया जाए। एनसीडी कार्यक्रम के अंतर्गत महिदपुर एवं उज्जैन शहरी क्षेत्र में स्क्रीनिंग की प्रगति शत-प्रतिशत सुनिश्चित की जाए।

अनमोल पोर्टल पर खाचरौद एवं महिदपुर में शेष समग्र आईडी बनाने, गर्भवती महिलाओं की मॉडरेट एवं सीवियर एनीमिया, पीआईएच का शत-प्रतिशत प्रबंधन एवं डिलीवरी अपडेशन यथासमय सुनिश्चित किया जाए। एएनसी पंजीयन के समय ही समस्त दस्तावेज प्राप्त किए जाएं। जिले में कहीं भी घर पर प्रसव न हो, यह सुनिश्चित करने हेतु सतत निगरानी रखी जाए एवं शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव करवाए जाएं। महिदपुर में एफआरयू को क्रियाशील कर संचालन प्रारंभ किया जाए। एनबीएस के अंतर्गत सैंपल कलेक्शन बढ़ाया जाए।

प्रोजेक्ट संवर्धन के अंतर्गत गंभीर कुपोषित बच्चों का पूर्ण उपचार सुनिश्चित किया जाए। गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के पोषण स्तर में सुधार हेतु समन्वय किया जाए। मॉनिटरिंग एवं सुपरविजन को मजबूत किया जाए। आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण की कार्ययोजना बनाकर प्रशिक्षण प्रदान किया जाए।

आगामी 28 जून 2026 को आयोजित पल्स पोलियो कार्यक्रम के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष तक के समस्त बच्चों को पोलियो की दवा पिलाना सुनिश्चित किया जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग अनमोल पोर्टल के अनुसार गर्भवती महिलाओं के एएनसी पंजीयन डाटा में एकरूपता रखें तथा समय-समय पर संयुक्त बैठकें आयोजित कर लक्ष्यों को पूर्ण करें।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी-01 डॉ. जितेन्द्र राजपूत, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मंजुषा पिप्पल, शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. अनिता भिलवार, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रविन्द्र कुमार पाल, जिला मलेरिया अधिकारी श्री डी. एस. सिसोदिया, जिला एनसीडी नोडल अधिकारी डॉ. आदित्य रावल, जिला क्षय अधिकारी डॉ. अरुण कुशवाह, जिला राहवीर योजना नोडल अधिकारी डॉ. शिव मेन्या, समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय अस्पताल प्रबंधक श्रीमती हिमांगी चौहान, उज्जैन शहरी संस्था प्रभारी, जिला मूल्यांकन एवं अनुश्रवण अधिकारी सुश्री परविंदर बग्गा, सुश्री साक्षी शर्मा, जिला कम्युनिटी मोबिलाइजर श्री अनस कुरैशी, जिला लेखा प्रबंधक श्री जितेन्द्र अहिरवार, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. आदित्य माथुर, जिला सीपीएचसी सलाहकार सुश्री प्रतिभा मेड़ा, जिला क्वालिटी मॉनिटर डॉ. मधु नेमा, उपयंत्री श्रीमती नेहा निर्मल, सहायक कार्यक्रम प्रबंधक श्री दिलीप वसुनिया, समस्त बीपीएम, बीसीएम एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिक्षक का आदर्श आचरण और व्यक्तित्व बदल सकता है विद्यार्थियों के जीवन की दिशा

उज्जैन। लोकमान्य तिलक शिक्षण समिति द्वारा आयोजित सात दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग 2026 का शुभारंभ हुआ। पहले दिन शिक्षकों के लिए दो महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए, जिनमें शिक्षक के व्यक्तित्व, शिक्षा के उद्देश्य और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में उनकी भूमिका पर गहन चिंतन-मंथन किया गया।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता समिति के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गिरीश भालेराव ने की। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण वर्ग की परंपरा 37 वर्ष पुरानी है, जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षण कार्य की गुणवत्ता को बढ़ाना है। प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक लेखन समिति के अध्यक्ष डॉ. भागीरथ कुमरावत ने शिक्षक का व्यक्तित्व और उसका विद्यार्थी पर प्रभाव विषय पर उद्बोधन दिया। डॉ. कुमरावत ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण का प्रमुख आधार होता है।

उन्होंने पंचपदी शिक्षा पद्धति और स्वामी विवेकानंद का उदाहरण देते हुए कहा कि शिक्षक को अपने विषय की बारीकियों का जमीनी स्तर पर ज्ञान होना चाहिए। विद्यार्थियों पर शिक्षक के आचरण, अनुशासन, व्यवहार और जीवन मूल्यों का सीधा प्रभाव पड़ता है।

शिक्षा पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्रों में संस्कार, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करना भी शिक्षक का काम है। इस सत्र का संचालन रचना जोशी ने किया।

विद्यालय केवल ज्ञान का केंद्र नहीं, चरित्र निर्माण की प्रयोगशाला है द्वितीय सत्र में बाल पत्रिका देवपुत्र इंदौर के संपादक गोपाल माहेश्वरी ने नैतिक शिक्षा और मूल्य आधारित शिक्षण विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल ज्ञान अर्जन का केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण की प्रयोगशाला हैं। वर्तमान में तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक मूल्यों का संरक्षण भी जरूरी है। मूल्य आधारित शिक्षण केवल पुस्तकों तक सीमित न होकर शिक्षक के व्यवहार और दैनिक गतिविधियों में झलकना चाहिए। बचपन से ही सत्य, ईमानदारी, सहयोग और राष्ट्रप्रेम की शिक्षा मिलने पर ही विद्यार्थी जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं। द्वितीय सत्र का संचालन सीमा निगम ने किया।

चारभुजा नाथ मंदिर में सजी नागदमन काली घटा झांकी दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

उज्जैन। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर गोला मंडी स्थित चारभुजा नाथ मंदिर में धार्मिक आयोजनों का सिलसिला जारी है। नित्य प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु भगवान के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। इसी क्रम में मंदिर में नागदमन काली घटा उत्सव की मनमोहक झांकी सजाई गई, जिसके दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे।

मनोरथी परिवार के बीएल गुप्ता, संदीप गुप्ता, गौतम तापड़िया, श्रेष्ठ तापड़िया और निरंजन हेड़ा परिवार के मुखिया सहित संध्या हेड़ा, पीयूष हेड़ा, जिया हेड़ा व प्रत्यूष हेड़ा ने भगवान की आरती की।महाआरती में लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा, कैलाश नारायण राठी, वीरेंद्र कुमार गट्टानी, दिनेश चंद्र डाढ़, नृसिंह देवपुरा, भूपेंद्र भूतड़ा, कैलाश चंद्र गगरानी, अर्जुन समदानी, सुनील कुमार लाहोटी, सुनील बांगड़, अरुण भूतड़ा, अतुल देवपुरा, सचिन बसेर, सत्यनारायण अगाल, संदीप भूतड़ा, प्रदीप आगीवाल, महेश चांडक, प्रकाश सोडानी, कल्पेश गट्टानी, मनसुखलाल झंवर, प्रकाश काबरा, लोकेंद्र भूतड़ा, कमल कोठारी और राम मंत्री शामिल हुए। साथ ही महिला श्रद्धालुओं में ऊषा झंवर, अलका भूतड़ा, विनीता भूतड़ा, आरती शर्मा, अनुराधा अगाल, रीता गट्टानी और पूर्णिमा परवाल ने भी सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित किया। आरती के पश्चात संजय गुप्ता और निरंजन पीयूष हेड़ा की ओर से श्रद्धालुओं को पेड़े का प्रसाद वितरित किया गया। वहीं, दिनेश डाढ़ के परिणय दिवस के अवसर पर दिनेश डाढ़, संदीप डाढ़ और प्रदीप श्रीलाल राठी द्वारा भगवान को केसरिया भात का विशेष भोग अर्पित कर भक्तों में प्रसाद बांटा गया।

अजाक्स का जिला सम्मेलन 14 जून को रतलाम में, मालवांचल महाधिवेशन की तैयारियों को लेकर होगी महत्वपूर्ण बैठक

उज्जैन। अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) के मालवांचल संभागीय सम्मेलन की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में 14 जून 2026 रविवार को प्रातः 11 बजे रतलाम के सांगोद रोड स्थित स्थान पर जिला कार्यकर्ता सम्मेलन एवं महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता अजाक्स के प्रदेश अध्यक्ष आईएएस संतोष वर्मा करेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश संरक्षक जे.एन. कंसोटिया, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष इंजीनियर एस.एल. सूर्यवंशी सहित प्रांतीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

उज्जैन संभाग अध्यक्ष जगन्नाथ बागड़ी एवं रतलाम जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर लश्करी ने बताया कि आगामी 28 जून 2026 रविवार को उज्जैन में प्रस्तावित मालवांचल संभागीय महाधिवेशन को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

इस आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने की संभावना है। संगठन द्वारा मुख्यमंत्री को आमंत्रण भी दिया जा चुका है। प्रदेश महासचिव महेश बिरोलिया, प्रदेश सचिव रमेशचंद्र चगेसिया, प्रदेश संयुक्त सचिव जे.पी. अहिरवार, रामकृष्ण वर्मा, जिला अध्यक्ष डॉ. रतनलाल परमार, बद्रीलाल पवार, डॉ. तारा परमार एवं अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष संतोष वर्मा के नेतृत्व में उज्जैन संभाग के सभी जिलों में अजाक्स एजेंडे को लेकर जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं।रतलाम बैठक में उज्जैन संभाग के सभी जिला अध्यक्ष, संभागीय पदाधिकारी, जिला-तहसील-ब्लॉक कार्यकारिणी के सदस्य एवं अनुसूचित जाति-जनजाति समाज के सामाजिक संगठनों के प्रमुख साथी शामिल होंगे। बैठक में मालवांचल महाधिवेशन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं एवं कार्यक्रम की सफलता को लेकर चर्चा की जाएगी। अजाक्स पदाधिकारियों के संभागीय सचिव रतन गोयल रमेश चंद्र सूर्यवंशी जिला अध्यक्ष रतलाम चन्द्रशेखर लश्करी, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष रमेश कटारिया, संभाग सचिव विक्रम सिंह परमार, नारायण प्रसाद मालवीय जिला अध्यक्ष देवास हेमराज गोखले, जिला अध्यक्ष शाजापुर बद्रीलाल पवार, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष जितेंद्र टाक, जिला अध्यक्ष आगर संतोष जादमे, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष रविंद्र मेड़ा, बाबूलाल आर्य संभागीय उपाध्यक्ष, जिला अध्यक्ष नीमच महेश जांगड़े, जिला अध्यक्ष मंदसौर प्रहलाद सूर्यवंशी, देवकरण मालवी, तेज कुमार चौहान, धर्मेंद्र सोलंकी, संभागीय सचिव नारायण गुजराती, दुर्गेश गोयल, संभागीय संयुक्त सचिव नारायणलाल चौहान, रमेश भगाना, नितेश गोसर, राजा सूर्यवंशी, शंभूलाल परमार, कमल बारोनिया, पूरन सिंह सोलंकी, गिरधर मालवी, प्रवीण गहलोत, दरिया सिंह गहलोत, संभागीय कार्यकारिणी सदस्य करण डाबी, अनोखीलाल चौहान, बने सिंह बौद्ध, रमेश जिंदल, राधेश्याम केरवाल, मुकेश सूर्यवंशी, राकेश सोलंकी नारायण पीरुलाल मालवीय ने मालवांचल अधिवेशन सफल बनाने की अपील की।

संपादकीय

भविष्य के युद्धों के लिए भारत को अब पूर्वी मोर्चे पर ध्यान देने की जरूरत

अगले सप्ताह ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ होगी। ऐसे में हमें उन 87 घंटों के दौरान सैन्य प्रदर्शन की प्रेरक कहानियों की भरमार के लिए तैयार रहना चाहिए। परंतु हमें इसे रोकना चाहिए, और इसके पीछे कारण है। मेरा मानना है कि यह राष्ट्र हित में होगा कि हम अतीत को लेकर यूं जश्न के मिजाज में न रहें। इसके बजाय हमें भविष्य के युद्धों के बारे में सोचना चाहिए।

हमें अपने भू-भाग पर पश्चिम से अब पूर्व की ओर भी ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। अभी पूर्वी मोर्चा शांत दिखाई देता है, लेकिन यह बदलेगा। याद कीजिए कि फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने 9 अगस्त, 2025 को टैम्पा, फ्लोरिडा में दिए अपने भाषण में डींग मारते हुए क्या कहा था। उन्होंने कहा था कि अगली बार पाकिस्तान युद्ध की शुरुआत पूर्व से करेगा, क्योंकि वहीं 'भारत ने अपने सबसे मूल्यवान संसाधन स्थापित किए हैं।'

अब नक्शा खोलिए और नजर दौड़ाइए। हमारे 3,416 किलोमीटर लंबे पूर्वी समुद्री तट पर आप क्या देखते हैं? यह बंगाल की खाड़ी के ऊपर बांग्लादेश का छोटा सा 600 किलोमीटर का तट है, उसके बाद म्यांमार का 2,227 किलोमीटर लंबा तट, फिर थाईलैंड, जिसके दक्षिण में अंडमान सागर मलक्का स्ट्रेट के पार प्रशांत महासागर तक ले जाता है। बांग्लादेश और खासकर म्यांमार चीन के दबाव में आ सकता है। और अगर कभी थाईलैंड ने क्रा की संकरी 50 किलोमीटर की भूमि पट्टी पर नहर खोदने के अपने इरादे को अमली जामा पहनाने का फैसला किया तब जहाजों के प्रशांत महासागर से अंडमान सागर में पहुंचने का समय तीन दिन घट जाएगा।

इसके अलावा, यह सामरिक दृष्टि से एक दबाव क्षेत्र के रूप में मलक्का स्ट्रेट की हैसियत को कमजोर कर देगा। यह अक्टूबर 2023 में उजागर हुआ था, जब तत्कालीन थाई प्रधानमंत्री श्रेत्थ थाविसिन ने बीआरआई फोरम में एक डूडल में इसका उल्लेख किया था और वह पेइचिंग में कैमरों में कैद हो गया। उस डूडल में ठीक उस संकरे स्थल पर एक नहर को दर्शाया गया था। यदि यह प्रोजेक्ट कभी हकीकत बनता है, तो इससे भारत का व्यस्त पूर्वी समुद्री तट, बड़े महानगर और औद्योगिक क्षेत्र चीन के सामने उजागर हो जाएंगे।

प्रशांत महासागर खतरनाक रूप से भारत के करीब आ जाएगा। ऐतिहासिक रूप से और सहज रूप से, भारत ने पश्चिम और उत्तर से चीन और पाकिस्तान के खतरे देखे हैं। पूर्व को अपेक्षाकृत कम ध्यान मिला है। क्वाड की बहुत चर्चा हुई है, और मलक्का स्ट्रेट पर भारत की पकड़ की भी। लेकिन मानसिक रूप से, भारत ने पूर्व को अपेक्षाकृत सौम्य दृष्टि से देखा है। इसका परिणाम यह है कि हमारी अधिकांश प्रमुख परिचालन संपत्तियां यानी सेना और वायु सेना उत्तर और पश्चिम की ओर केंद्रित हैं। यहां तक कि नौ सेना भी पश्चिम (पाकिस्तान) पर केंद्रित है। यह ध्यान उचित है, लेकिन अब पूर्व में मौजूद कमजोरी को दूर करना आवश्यक है।

प्रकृति और भूगोल ने भारत को अपनी रक्षा के लिए जरूरी संसाधन दिए हैं। पूर्व में अंडमान और निकोबार द्वीप को भगवान ने कभी न डूबने वाले विमान वाहक पोतों की तरह बनाया है। वहां बड़े पोत और पनडुब्बी भी संचालित हो सकते हैं और लड़ाकू तथा टोही विमान भी। वहां से भारत पूरी बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और उसके आगे तक नजर रख सकता है।

यही बात ग्रेट निकोबार द्वीप को एक अद्भुत सामरिक संपत्ति बनाती है। राहुल गांधी ने पिछले दिनों वहां जाकर एक बहुउद्देश्यीय टाउनशिप सह ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह का विरोध किया है। वह दरअसल एक बड़ा सैन्य अड्डा बनाने की योजना है जो भारत द्वारा चीन को मलक्का स्ट्रेट में रोकने की संभावना के गलत आकलन में उलझ गई है।

यह संभव तो है लेकिन बहुत अधिक यथार्थवादी नहीं है। यह स्ट्रेट शक्तिशाली संप्रभु राष्ट्रों इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर के बीच स्थित है। साथ ही, इसे अवरुद्ध करने के लिए भारत को ईरान की तरह लापरवाह होना पड़ेगा, जैसा कि उसने होर्मुज में किया, क्योंकि इससे मित्र और शत्रु दोनों प्रभावित होंगे। इनमें जापान, दक्षिण कोरिया, रूस भी शामिल हैं।

भारत के इतना जोखिम उठाने के लिए हालात वास्तव में बेहद निराशाजनक और गंभीर होने चाहिए। इसलिए यह कहीं अधिक आसान है कि द्वीपीय क्षेत्रों खासकर ग्रेट निकोबार को भारत की अग्रिम रक्षात्मक ढाल के रूप में देखा जाए। यदि इन्हें सावधानी और धैर्यपूर्वक विकसित किया जाए तो ये पूर्वी भारत की रक्षा के लिए वही काम कर सकते हैं जो उत्तर में हिमालय करता है।

अगले 10-15 वर्षों में कौन-सा परिदृश्य अधिक संभावित है? भारत महासागरों में सक्रिय रूप से चीन की ओर बढ़ेगा, या चीन भारत को धमकाने के लिए भीतर आएगा? यह प्रत्यक्ष हो सकता है, या ध्यान भटकाने के रूप में यदि भारत पाकिस्तान के साथ बड़े संघर्ष में उलझा हो। यदि हम आपको उस विस्तारित नक्शे पर वापस ले जाएं तो आप कुछ छोटे-छोटे बिंदु देख सकते हैं जो लैंडफॉल द्वीप से केवल 20 किलोमीटर दूर हैं, जो अंडमान द्वीपसमूह का सबसे उत्तरी द्वीप है।

अंडमान की शुरुआत से बहुत दूर, यहां म्यांमार का ग्रेट कोको द्वीप स्थित है। यह केवल 14.57 वर्ग किलोमीटर का है लेकिन इसमें पहले से ही 7,500 फुट लंबा हवाई पट्टी है, जो ग्रेट निकोबार में हमारे देश द्वारा बनाई पट्टी से भी लंबी है। कोको द्वीप पर चीनी यात्राएं हुई हैं (इसमें चार और छोटे द्वीप हैं जिन्हें लिटिल कोको श्रृंखला कहा जाता है) और जो कोई भी यहां चीनी उपस्थिति की संभावना को नकारता है, म्यांमार में व्याप्त अराजकता को देखते हुए इतिहास उसे माफ नहीं करेगा। क्वाड की उत्साह भरी चर्चाओं ने हमारी रणनीतिक दृष्टि को धुंधला कर दिया है।

भारत के लिए यह यथार्थवादी सोच नहीं है कि हम अमेरिका और उसके सहयोगियों की ओर से चीन के खिलाफ मलक्का स्ट्रेट को अवरुद्ध करें। तात्कालिक आवश्यकता यह है कि हम पूर्व में अपनी समुद्री रक्षा को मजबूत करें। इसीलिए द्वीपों का तत्काल सैन्यीकरण जरूरी है। भारत अगर इस सामरिक उपहार का लाभ नहीं उठाता है तो गलती करेगा।

याद रहे कि मलक्का स्ट्रेट से गुजरने वाले हर जहाज को 'सिक्स डिग्री चैनल' से गुजरना ही पड़ता है, जो भारत के 'विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र' में पड़ता है। इन द्वीपों की पूरी अहमियत को समझने के लिए हमें भविष्य में आने वाले खतरों का अनुमान लगाना होगा और अतीत के मसलों पर युद्ध लड़ने, खासकर 87 घंटे की झड़प जैसी उलझनों से बचना होगा।

अंत में हम आसिम मुनीर पर लौटते हैं। उनके बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वह बड़बोले हैं। अगर उनके पास जियाउल हक जैसी कुटिल मुस्कान और शातिर हो?शियारी होती, तो वह और भी बड़ी परेशानी होते। जिया चुपचाप पीठ में छुरा घोंपते थे, जबकि मुनीर डींगें हांकते हैं। यही कारण है कि जब हमारा ध्यान पूर्व की ओर बढ़ता है, तो हमें दो प्रश्नों पर बहस करनी होगी। पहला, वह किस चीज़ को 'सबसे मूल्यवान' कहते हैं। और दूसरा उन संपत्तियों को निशाना बनाने के लिए उनके पास कौन-से साधन होंगे।

मेरे पास कुछ अनुमान हो सकते हैं, लेकिन मैं किसी को केवल एक स्तंभ में विचार नहीं देना चाहता। मैं इतना ही कह सकता हूं कि वह सिलिगुड़ी की बात नहीं कर रहे हैं, जैसा कि कई लोगों ने सहज रूप से मान लिया था, खासकर उस समय जब बांग्लादेश के प्रति गुस्सा और अविश्वास सरकार समर्थक सोशल मीडिया में चरम पर था।

निजीकरण नहीं, मुद्रीकरण- सरकार बनाएगी और मालिक रहेगी, निजी कंपनियां सिर्फ चलाएंगी प्रोजेक्ट्स

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2026-27 के अपने बजट भाषण में बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है कि सरकार संपत्तियों का मालिकाना हक (स्वामित्व) नहीं बेच रही है, बल्कि सिर्फ उनके इस्तेमाल के 'अधिकारों' से कमाई करेगी। यानी सरकार सार्वजनिक बुनियादी ढांचा परिसंपत्तियों के परिचालन का अधिकार निजी कंपनियों को दे रही है, लेकिन परिसंपत्तियों की बिक्री नहीं करेगी।

दरअसल, राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) 2.0 एक तरह से पिछले दरवाजे से लाई गई 'पीपीपी' (सार्वजनिक-निजी साझेदारी) ही है। इसका सीधा मतलब है कि सरकार जो बुनियादी ढांचा बनाएगी और जिसकी वह मालिक होगी, उसके परिचालन का काम निजी कंपनियां करेंगी। वहीं दूसरी तरफ, बिल्कुल नई परियोजनाओं में सीधे रास्ते से पीपीपी के तहत निजी निवेश पहले की तरह ही आता रहेगा।

इस तरह, पिछले 25 वर्षों तक नई परियोजनाओं में पीपीपी मॉडल आजमाने के बाद, अब भारत की बुनियादी ढांचा रणनीति एक ज्यादा व्यावहारिक राह पर चल रही है। इस नए रास्ते का सीधा सा नियम है कि संपत्ति सरकारी ही रहेगी सिर्फ उसे चलाने की जिम्मेदीर निजी हाथों में जाएगी। फरवरी 2026 में शुरू किए गए एनएमपी 2.0 का लक्ष्य (वित्त वर्ष 2026-30 के लिए) 16.72 लाख करोड़ रुपये रखा गया है। यह बड़ा आंकड़ा वित्त वर्ष 2021-25 के एनएमपी 1.0 के 5.95 लाख करोड़ रुपये के लक्ष्य से करीब 2.6 गुना ज्यादा है।

रणनीति में आया यह बदलाव इस बात का पुख्ता सबूत है कि नीतियां बनाने वाले अब समझ चुके हैं कि निजी निवेशक किसी भी परियोजना के तीसरे चरण, यानी 'संचालन के जोखिम' में पैसा लगाना पसंद करते हैं। ऐसा तब होता है जब सरकार पहले दो शुरुआती चरण यानी विकास और निर्माण से जुड़े जोखिम खुद उठा लेती है।

सैद्धांतिक रूप से देखा जाए तो, पीपीपी मॉडल को एक बहुत ही सरल सिद्धांत पर काम करना चाहिए। वह सिद्धांत यह है कि जोखिम उसी पक्ष को सौंपे जाएं परियोजना के तीन मुख्य चरणों वाले जोखिम के दौरान उसका सबसे अच्छी तरह प्रबंधन कर सके मसलन, विकास का जोखिम (जमीन अधिग्रहण, जरूरी मंजूरियां लेना, पैसों का इंतजाम आदि), निर्माण का जोखिम (लागत का बढ़ना या काम में देरी होना), संचालन का जोखिम (मांग और कमाई की अनिश्चितता)।

भारत में पहले जब नई परियोजनाओं में पीपीपी का दौर शुरू हुआ था, तब एक बड़ी गलती यह हुई थी कि ये तीनों जोखिम गलत तरीके से पूरी तरह से निजी कंपनियों के सिर मढ़ दिए गए। इन कंपनियों ने भी भविष्य को लेकर ज्यादा ही उत्साह दिखाया और बढ़-चढ़कर बोलियां लगा दीं। लेकिन यह मॉडल आगे चलकर चरमरा गया। ट्रैफिक का गलत अनुमान, जमीन अधिग्रहण में होने वाली देरी और लागत का बढ़ना ऐसी समस्याएं बनीं जिन्होंने पूरी स्थिति बिगाड़ दी। हालत यह हो गई कि राजमार्ग की 73 पीपीपी परियोजनाओं (लगभग 8,300 किमी) में से 43 को रद्द करना पड़ा। इससे नई परियोजनाओं में पीपीपी मॉडल को लेकर निजी क्षेत्र का भरोसा टूट गया।

एनएमपी 1.0 के अंतर्गत सड़कों, रेलवे, बिजली, पाइपलाइन और दूरसंचार के क्षेत्रों में लक्ष्य निर्धारित किए गए थे। टोल-ऑपरेट-ट्रांसफर (टीओटी), बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इनविट) और प्रतिभूतिकरण जैसे तरीके का उपयोग किया गया, जिससे लक्ष्य का 89 फीसदी यानी 5.3 लाख करोड़ रुपये हासिल हुआ। हालांकि, प्रदर्शन हर क्षेत्र में एक समान नहीं रहा और सड़क एवं कोयला क्षेत्रों ने नेतृत्व किया, जबकि रेलवे (30 फीसदी) और विमानन (14 फीसदी) काफी पीछे रह गए।

बाजार की प्रतिक्रिया इसकी विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 में इनविट्स और टीओटी के माध्यम से 28,307 करोड़ रुपये जुटाए हैं। खुदरा निवेशकों के लिए एनएचएआई के पहले सार्वजनिक इनविट, 'राजमार्ग इन्फ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट' (आरआईआईटी) की ऐतिहासिक शुरुआत हुई, जिसने 9,500 करोड़ रुपये जुटाए। मार्च 2026 में बीएसई पर सूचीबद्ध होने के दौरान इसे लगभग 14 गुना अधिक अभिदान मिला।

नीतिगत दिशानिर्देशों के कारण अब विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर तालमेल दिख रहा है। रेलवे ने एनएमपी 1.0 के लक्ष्यों का केवल 29 फीसदी ही पूरा किया था, लेकिन अब एनएमपी 2.0 के तहत उसे 2.62 लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य पूरा करना है। रेलवे बोर्ड द्वारा 2025 में अपनी 2012 की पीपीपी नीति को संशोधित करने का प्रस्ताव जोखिम बंटवारे को दर्शाता है जिसमें रियायत की अवधि को 50 वर्ष तक बढ़ाना और भूमि अधिग्रहण का जिम्मा खुद लेना शामिल है।

महत्त्वपूर्ण बात यह है कि एनएमपी 2.0 केवल परिचालन को पट्टे पर देने तक सीमित नहीं है। इसमें सूचीबद्ध सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू) में अल्पांश हिस्सेदारी बेचना भी शामिल है। अकेले सात रेलवे पीएसयू से 82,700 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है। विनिवेश का लक्ष्य वित्त वर्ष 2025-26 के 47,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 80,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। संपत्ति से कमाई और सार्वजनिक उपक्रमों में हिस्सेदारी की बिक्री के इस संयोजन से निवेशकों की पहुंच अब बोर्डरूम तक होगी, जिससे प्रबंधन के निर्णयों में उनकी प्रभावी भूमिका सुनिश्चित होगी।

सार्वजनिक परिसंपत्तियों को कमाई का जरिया बनाए जाने के लिए प्रारूप तैयार करना एक जटिल कार्य हो सकता है। इन्हें इस तरह से तैयार किया जाना आवश्यक है कि नए निजी संचालक न केवल सख्त सेवा स्तर समझौतों (एसएलए) का पालन करें, बल्कि सुरक्षा, आधुनिकीकरण, नवीनीकरण और जनसेवा पर भी पर्याप्त ध्यान दें। साथ ही, उन्हें अपनी निवेश की गई पूंजी पर उचित लाभ भी मिलना चाहिए।

होर्मुज संकट और तेल की कीमतों से भारत के सामने राजकोषीय दबाव

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप युद्ध समाप्त करने के ईरान के नवीनतम प्रस्ताव से प्रभावित नहीं हैं। ईरान ने कथित तौर पर पाकिस्तान के माध्यम से 14 बिंदुओं वाला प्रस्ताव भेजा है। दोनों पक्ष बातचीत कर रहे हैं और अभी युद्ध विराम लागू है लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि गतिरोध कितने समय तक जारी रहेगा। अमेरिका और ईरान दोनों ने होर्मुज स्ट्रेट को अवरुद्ध कर दिया है, जिससे ऊर्जा आपूर्ति गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। पिछले सप्ताह बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 125 डॉलर प्रति बैरल तक जा पहुंचा।

कुछ विश्लेषकों के मुताबिक वैश्विक भंडार की कमी के कारण आने वाले हफ्तों में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं। अमेरिकाङ्कईरान गतिरोध वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। उदाहरण के लिए, यूरोपीय केंद्रीय बैंक ने पिछले सप्ताह नोट किया कि मुद्रास्फीति के बढ़ने और वृद्धि के धीमा पड़ने के जोखिम बढ़ गए हैं। एक बड़े ऊर्जा आयातक के रूप में भारत भी कई चुनौतियों का सामना कर रहा है।

सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों ने पिछले सप्ताह वाणिज्यिक तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलिंडरों की कीमतों में तेज वृद्धि की। 5 किलोग्राम के एलपीजी सिलिंडर और एविएशन टरबाइन ईंधन की कीमतों को भी समायोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि पेट्रोल और डीजल के खुदरा मूल्य में वृद्धि नहीं हुई है, यद्यपि सरकार ने तेल विपणन कंपनियों पर बोझ कम करने के लिए विशेष उत्पाद शुल्क घटा दिया। परंतु पिछले सप्ताह कीमतों में जो बदलाव किया गया है वह समस्या के स्वीकार और नीति के पुनर्संयोजन की आवश्यकता का संकेत देता है। सरकार और तेल कंपनियां दोनों ही स्थायी रूप से ऊंची लागत को वहन नहीं कर सकते हैं इसलिए आने वाले दिनों में और इजाफा देखने को मिल सकता है।

उदाहरण के लिए, केंद्रीय सचिव वी. वुअलनाम ने पिछले सप्ताह उल्लेख किया कि राजकोषीय दबाव एक हकीकत है। सरकारी वित्त राजस्व और व्यय दोनों पक्षों से प्रभावित होंगे। सरकार को पूरे वर्ष के लिए उत्पाद शुल्क में कटौती के कारण लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये के राजस्व का बलिदान करना होगा।

चूंकि गैस की कमी ने आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित किया है इसलिए कर संग्रह भी प्रभावित होगा। व्यय की बात करें तो ईंधन और उर्वरक सब्सिडी तेजी से बढ़ सकती है। यह इस पर निर्भर करेगा कि गतिरोध कितने समय तक जारी रहता है। फिर भी, राजकोषीय दबाव के बावजूद, सरकार पूंजीगत व्यय के प्रति प्रतिबद्ध प्रतीत होती है जो वृद्धि को बनाए रखने में मदद करेगा। हालांकि, राजकोषीय स्थिति को देखते हुए, सरकार की अर्थव्यवस्था को समर्थन देने की क्षमता सीमित रहेगी। यद्यपि कोविड-वर्ष की वृद्धि के बाद राजकोषीय घाटा और सार्वजनिक ऋण तेजी से घटा है लेकिन अभी भी वह ऊंचे स्तर पर है। केंद्र सरकार ने चालू वर्ष में राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 फीसदी तक सीमित रखने का बजट बनाया है, जिसे अब हासिल करना कठिन होगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुमानों से पता चलता है कि भारत का सामान्य सरकारी ऋण, जो वर्तमान में जीडीपी के लगभग 83 फीसदी है वह 2031 में भी महामारी के पूर्व के स्तर से ऊपर रहेगा।

वर्तमान संघर्ष के कारण इस वर्ष एक महत्त्वपूर्ण फिसलन मध्यम अवधि के ऋण के दायरे को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकती है और व्यापक आर्थिक स्थिरता के जोखिमों को बढ़ा सकती है। इसलिए अल्पकालिक राहत के दबाव के बीच सरकार को मध्यम अवधि के जोखिमों से दृष्टि नहीं हटानी चाहिए। यह सुधार एजेंडा को आगे बढ़ाकर और मध्यम अवधि की विकास संभावनाओं को मजबूत करके सीमित राजकोषीय गुंजाइश को संतुलित कर सकता है। ईंधन कीमतों में समायोजन मुद्रास्फीति दर को बढ़ा देगा, जो वर्तमान में 4 फीसदी के लक्ष्य से नीचे चल रही है। सामान्य से कम मॉनसून का पूर्वानुमान भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति के लिए स्थिति को और जटिल बना देगा।

परीक्षण की परिधि में विकास

ढगवार मिल्क प्लांट की संरचना में आया खोट अगर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के पैमाने में, निर्माण के उद्देश्य को भ्रमित और अकुशल पाता है, तो यह निरीक्षण कई संकेत दे रहा है। आश्चर्य यह कि 225 करोड़ की परियोजना में भी काम निपटाने की रूटीन सामने आई और जहां ऑटोमेशन के बजाय अधोसंरचना को घिसी पिटी पुरानी तकनीक के हवाले ही रखा जा रहा था। पल भर के लिए अगर मुख्यमंत्री रुचि न लेते तो निर्माण कार्य और मशीनरी के सही उपयोग में कई दरारें बढ़ती जातीं। बहरहाल मुख्यमंत्री की पैनी और पारखी नजर ने एक गलती को सुधार दिया, अन्यथा विकास की गाथाएं ऐसा ढांचा विकसित नहीं कर पा रहीं, जो कम से कम एक सदी गुजार दें। हिमाचली विकास के मानदंड या तो पूरी तरह तय नहीं होते या उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। टांडा मेडिकल कालेज में करोड़ों व्यय करके 'मदर एंड चाइल्ड केयर सेंटर' आज भी पूर्ण नहीं है, तो इस कोताही के दंश स्पष्ट हैं। ऐसे में क्या मुख्यमंत्री को ही मुआयना करना पड़ेगा या गुणवत्ता के परीक्षण किसी निश्चित परिधि से गुजरेंगे। आम तौर पर ड्राइंग से निर्माण तथा विभिन्न भवनों, संस्थानों या सेवा क्षेत्रों के विस्तार तक आर एंड डी दिखाई ही नहीं देती। स्कूल से कालेज तक इमारतों में अंतर की जरूरत है, लेकिन वर्षों से एक ही ड्राइंग पर सरकारी दारोमदार चला है। सबसे कमजोर पक्ष यह है कि भूमि के इस्तेमाल में किफायती वास्तु शैली का प्रदर्शन नहीं हो रहा। अगर पूछा जाए कि हिमाचल की ऐसी कौनसी दर्जन भर इमारतें हैं, जो अपने डिजाइन, निर्माण और उपयोगिता की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ हैं, तो जवाब में बगलें झांकते मिलेंगे। शहरी जीवन में आ रहे परिवर्तन को देखते हुए विकास योजनाओं को ही देखकर पता चलता है कि सिर्फ फर्ज अदायगी हो रही है। क्या टीसीपी कानून की शर्तों में हम शहरी ढांचे में परिवर्तन ला सके। कितनी बार उधार की नींव पर खड़े ढांचे को बेकार करेंगे। कांगड़ा के पास मटौर में बतौर पर्यटन मंत्री स्व. जीएस बाली ने एक बैंबू पार्क बनाया, लेकिन लाखों का व्यय अब एक कबाड़ गृह में ऐसे तबदील हुआ कि नशेड़ी वहां अपना दर्द बयां करते हैं। ऐसे कई निर्माण कार्य या तो अधूरे ही रह गए या पूरा होकर भी बेकार हो गए। दरअसल निर्माण की गुणवत्ता और उपयोग की सार्थकता का कोई ऑडिट ही नहीं होता है। मुख्यमंत्री के एक विजिट ने अगर थोड़ा सा ऑडिट किया तो सवा दो सौ करोड़ की लागत से भी कई सुराख निकल आए, तो ऐसे सुराखों की गुंजाइश तो हर छोटे-बड़े कार्य में रहेगी। पाठकों को याद होगा कि शाह नहर परियोजना ने ट्रायल में ही अपने घटिया निर्माण के किस्से खोल दिए थे।

भवनों के डिजाइन से उनके निर्माण की उपयोगिता तक गहन चिंतन, ईमानदारी और वचनबद्धता की जरूरत है। प्रदेश को दो स्मार्ट सिटी परियोजनाएं मिलीं। अगर मुख्यमंत्री शिमला-धर्मशाला स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के निर्माण का ऑडिट करा लें, तो पता चल जाएगा कि खजाने खोलकर भी हिमाचल का भविष्य यहां नहीं संवर रहा। विकास से निकले निर्माण की कटोरी में राजनीति की डुबकियां और भी भयंकर निष्कर्ष पैदा कर रही हैं। मनरेगा की लागत में हमारे प्राकृतिक जलस्रोत निपट गए। शहर विकास के प्रारूप में अधिकारियों के मन के नक्शे जमीन से खिलवाड़ कर गए। औचित्यहीन, संवेदनहीन तथा उद्देश्यहीन निर्माण से बेहतर है कि हम विकास को भविष्य की निगाहों से देखने का जज्बा पैदा करें।

अब महंगाई का मौसम

अब एक आम समोसा 30 रुपए में मिलेगा। आम बाजार में, रेहड़ी-पटरी पर बिकने वाली चाय का एक कप 20-25 रुपए में मिलेगा। छोले-भटूरे की एक प्लेट के दाम 250 रुपए तक होंगे। मसाला-डोसा 210 रुपए में मिलेगा। एक औसत रेस्तरां और ढाबे पर पीली दाल की आधी प्लेट 110-120 रुपए में मिलेगी। यदि किसी बेहतर रेस्तरां, होटल में गए, तो भोजन की एक थाली 400 रुपए में मिलेगी। यह कोई नई बात नहीं है। चुनाव सम्पन्न होने के बाद सरकार और तेल कंपनियां गैस, पेट्रोल, डीजल आदि के दाम बढ़ाती ही हैं। उनकी मजबूरी भी है, क्योंकि भारत तेल-गैस के सबसे बड़े आयातक देशों में एक है। देश के पांच राज्यों में चुनाव अभी सम्पन्न ही हुए हैं, तो व्यावसायिक गैस, 5 किलो के गैस सिलेंडर, सीएनजी, पीएनजी आदि के दाम इतने बढ़ा दिए गए हैं कि कारोबारी और आम आदमी की अर्थव्यवस्था ही बिखर जाएगी। हमने कुछ उत्पाद गिनाए हैं, अलबत्ता महंगाई तो चौतरफा होगी। बहुत जल्दी पेट्रोल, डीजल और रसोई की एलपीजी गैस के दाम भी बढ़ा दिए जाएंगे। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने खुलासा किया है कि तेल कंपनियों को 20 रुपए पेट्रोल प्रति लीटर और 100 रुपए डीजल प्रति लीटर के घाटे झेलने पड़ रहे हैं। यह दाम बढ़ाने का एक तार्किक संकेत है। जब ईरान युद्ध के हालात नहीं थे और कच्चे तेल की कीमत भी 71-72 डॉलर प्रति बैरल थी, उस दौर में तेल कंपनियों ने जो मुनाफे कूटे थे, उन्हें न तो साझा किया गया और न ही देश को खुलासा किया गया। जब आपात-स्थितियां आती हैं और कच्चा तेल महंगा होने लगता है, तो केंद्र सरकार भी तेल कंपनियों की प्रवक्ता बन जाती है। यह देश को स्वीकार्य नहीं है। अब देश भर में 19 किलो का व्यावसायिक गैस का सिलेंडर 3000 रुपए से अधिक का हो गया है। प्रवासी मजदूरों, किराएदार छात्रों, दिहाड़ीदार और गरीबों की रसोई का आधार 5 किलो गैस का सिलेंडर भी 879 रुपए का कर दिया गया है।

शायद सरकार नहीं जानती अथवा जानबूझ कर अनजान बन रही है, क्योंकि 5 किलो वाले सिलेंडर पर जमकर कालाबाजारी चल रही है और यह सिलेंडर 1000 रुपए से अधिक के दाम पर बेचा जा रहा है। आम आदमी बेचारा क्या करे? गरीब-गुरबों की सरकार है, यह तो महज एक नारा है। इसी साल व्यावसायिक गैस सिलेंडर तीन बार महंगा किया जा चुका है, लिहाजा फैमिली डाइनिंग का खर्च 30 फीसदी सीधा बढ़ गया है। यही नहीं, ईरान-अफगानिस्तान से आने वाला पिस्ता 32 फीसदी और केसर 37 फीसदी महंगे हो चुके हैं। युद्ध और अन्य कारणों से इनकी उपलब्धता भी बहुत कम है, लिहाजा मिठाइयों के दाम भी 20-100 रुपए तक बढ़ गए हैं।

ईरान और अमरीका ने होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर नाकेबंदी कर रखी है, नतीजतन तेल-गैस-खाद की आपूर्ति नगण्य है।

इंदौर में कहां कितना पानी, कहां प्रदूषण का खतरा, उपग्रह आधारित 'अंतर्जलि' एटलस से मिलेगा जवाब

इंदौर। तेजी से बढ़ते शहरी विस्तार, आबादी और भूजल पर बढ़ते दबाव के बीच अब इंदौर के भूमिगत जल की विज्ञानी तस्वीर सामने आने जा रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मैपकास्ट) ने इंदौर जिले का भूजल एटलस 'अंतर्जलि' तैयार किया है। उपग्रह छाया चित्रों, रिमोट सेंसिंग और जीआइएस तकनीक पर आधारित यह एटलस जिले में भूजल की उपलब्धता, उसकी गुणवत्ता और संभावित प्रदूषण वाले क्षेत्रों की जानकारी उपलब्ध कराएगा।

मैपकास्ट द्वारा तैयार यह एटलस फिलहाल इंदौर सहित

भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर जिलों के लिए उपयोगी है। इसका उद्देश्य भूजल प्रबंधन, जल संरक्षण और जल गुणवत्ता से जुड़े निर्णयों को वैज्ञानिक आधार प्रदान करना है। विशेषज्ञों के अनुसार अब तक भूजल से जुड़ी अधिकांश योजनाएं पारंपरिक सर्वेक्षण और सीमित आंकड़ों पर आधारित होती थीं, लेकिन नए एटलस में आधुनिक तकनीकों के माध्यम से भूजल की स्थिति का विस्तृत विश्लेषण किया गया है।

इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि जिले के किन क्षेत्रों में भूजल की बेहतर संभावनाएं हैं और किन क्षेत्रों में जल गुणवत्ता चिंता का विषय बन सकती है। क्योंकि एटलस में भूजल की गुणवत्ता का विश्लेषण भी शामिल है। फ्लोराइड, नाइट्रेट, रासायनिक प्रदूषण और भारी धातुओं की उपस्थिति का क्षेत्रवार अध्ययन किया गया है। अधिकारियों का मानना है कि इस वैज्ञानिक जानकारी के आधार पर पेयजल योजनाओं, भूजल पुनर्भरण कार्यों और जल संरक्षण गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

मैपकास्ट ने यह अध्ययन राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र (एनआरएससी)-इसरो, हैदराबाद के तकनीकी मार्गदर्शन में किया है। यह एटलस जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ग्रामीण विकास और कृषि विभाग सहित जल क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विभागों के लिए उपयोगी दस्तावेज साबित होगा। यह शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और पर्यावरण विशेषज्ञों के लिए भी महत्वपूर्ण संदर्भ सामग्री का काम करेगा। इसमें डिजिटल एलिवेशन माडल, लीनियामेंट विश्लेषण और लिथोलाजिकल डाटा का उपयोग किया गया है।

सायबर जालसाजों से सावधान रहें, बिल भुगतान केवल अधिकृत माध्यमों से करें - ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बिजली बिलों का नगद भुगतान कंपनी के जोन, वितरण केन्द्र कार्यालय, पीओएस मशीन अथवा अधिकृत भुगतान केन्द्रों जैसे एम.पी.ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर पर ही करें। उपभोक्ताओं को कंपनी के पोर्टल (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम ऐप, व्हाट्सऐप पे एवं उपाय मोबाइल ऐप के माध्यम से भी बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है।

मंत्री श्री तोमर ने कहा है कि उपभोक्ता को असमय विद्युत विच्छेदन से बचने के लिये किसी निजी मोबाइल नंबर से कॉल कर भुगतान करने के लिये कोई एसएमएस/ व्हाट्सऐप जारी नहीं किया जाता है। कंपनी द्वारा निर्धारित आईडी से ही एसएमएस एवं व्हाट्सऐप केवल 07552551222 सेंडर आईडी से ही प्रेषित किए जाते हैं। उपभोक्ता किसी अन्य सेंडर आईडी अथवा निजी नंबर से आए भ्रामक मेसेज से सतर्क रहें। कंपनी अंतर्गत विद्युत देयकों के भुगतान के लिए उपभोक्ता पहचान नंबर यानि आईवीआरएस नंबर की जरूरत होती है। आईवीआरएस नंबर के आधार पर ही जोन, वितरण केन्द्रों या अन्य गेटवे एमपी ऑनलाइन, पेटीएम, फोन पे, गूगल पे. अमेजन पे, व्हाट्सऐप पे आदि पर बिजली बिलों का भुगतान होता है। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे किसी भी अनजान मोबाइल नंबर से आए फोन या व्हाट्सऐप मैसेज के आधार पर किसी भी मोबाइल नंबर पर देयकों की राशि अंतरित न करें। साथ ही अपना पिन नंबर भी किसी के साथ साझा न करें।

कंपनी के संज्ञान में आया है कि सायबर जालसाजों द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को एसएमएस, व्हाट्सऐप मैसेज अथवा आई.व्ही.आर. तकनीक से फोन कॉल पर नंबर दबाने के लिये कहा जाता है। इसमें बिल भुगतान कराने के लिये भय बनाकर कि आपकी बिजली कुछ घंटों बाद काट दी जाएगी, इसके लिए बिल भुगतान करने के लिये विशेष नंबर दबाएं, मोबाइल नंबर विशेष अथवा अनजान लिंक/ऐप पर क्लिक कर या संपर्क कर बकाया राशि जमा कराएं।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध मादक पदार्थो के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। विगत 5 दिनों में विभिन्न जिलों की पुलिस ने अलग-अलग मामलों में त्वरित एवं सुनियोजित कार्रवाई करते हुए 1 करोड़ 62 लाख रूपये से अधिक के अवैध मादक पदार्थ गांजा, स्मैक, एमडी ड्रग्स, डोडाचूरा, नशीले इंजेक्शन सहित अन्य सामग्री जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आगर मालवा- कोतवाली थाना पुलिस ने कंटेनर में बनाए गए विशेष लोहे के गुप्त चैम्बर से 3 क्विंटल 21 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। कार्रवाई में लगभग 71 लाख रुपये मूल्य का डोडाचूरा एवं कंटेनर जब्त किया गया।

शिवपुरी- पुलिस ने थाना कोतवाली क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को स्मैक का अवैध विक्रय करते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 62.28 ग्राम स्मैक, एक कार एवं मोबाइल फोन सहित लगभग 22 लाख मूल्य की संपत्ति जब्त की है।

मंदसौर- मल्हारगढ़ पुलिस ने बोलेरो वाहन में बनाए गए गुप्त स्थानों से 173 किलो 380 ग्राम डोडाचूरा बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। एक अन्य कार्रवाई में 400 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपी गिरफ्तार किए। वहीं शामगढ़ पुलिस ने हरियाणा एवं पंजाब के दो तस्करों को गिरफ्तार कर 60 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया। इस प्रकार तीनों कार्रवाई में मंदसौर पुलिस ने लगभग 17 लाख 66 हजार रुपये मूल्य का मादक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जब्त की है।

उज्जैन- पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध दो अलग-अलग कार्रवाइयों में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की। चिमनगंज मंडी थाना पुलिस ने 1 किलो 15 ग्राम एमडी ड्रग्स (मेफेड्रोन) के साथ दो अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर लगभग 15 लाख रूपये की सामग्री जब्त की है।

वहीं बड़नगर पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 5 किलो 165 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 29 हजार रूपये है। दोनों कार्रवाइयों में पुलिस ने 16 लाख 29 हजार रूपये के मादक पदार्थ जब्त किए हैं।

जबलपुर- पुलिस की बेलबाग, अधारताल एवं क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने ड्रग्स तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान 6600 नग नशीले इंजेक्शन, 5 मोबाइल फोन एवं घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा जब्त किया गया। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 15 लाख रूपये है।

रतलाम- पुलिस ने मुखबिर सूचना पर कार्रवाई करते हुए बीड़ी के कार्टून में छिपाकर ले जाए जा रहे 56.340 किलोग्राम डोडाचूरा कीमत 2 लाख 81 हजार 700 रूपये के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया।

वहीं थाना रिंगनोद की माननखेड़ा चौकी पुलिस ने मुखबिर सूचना पर कार्रवाई करते हुए कार सहित 100 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा कीमत लगभग 7 लाख रूपये के साथ 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस प्रकार लगभग 9 लाख 81 हजार रूपये की संपत्ति जब्त की है।

गुना- मृगवास थाना पुलिस ने राजस्थान से स्मैक तस्करी कर रहे अंतर्राज्यीय तस्कर पति-पत्नी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 51.10 ग्राम स्मैक एवं तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सहित लगभग 6 लाख रूपए की संपत्ति जब्त की है।

वहीं राघौगढ़ थाना पुलिस ने एक अन्य नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10.4 ग्राम स्मैक एवं मोटरसाइकिल सहित 2 लाख 4 हजार रूपये की संपत्ति जब्त की है। दोनों कार्रवाइयों में पुलिस ने लगभग 8 लाख 4 हजार रूपये की संपत्ति जब्त की है।

कहीं बेसमेंट में किचन मिला तो कहीं छत पर चल रही थी मैस, अग्निशमन यंत्र तक नहीं थे, नगर निगम ने की कार्रवाई

इंदौर। हादसों के बावजूद शहर में अग्नि दुर्घटनाओं को लेकर गंभीरता नहीं बरती जा रही। मंगलवार को नगर निगम की टीम ने शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में होटल, व्यवसायिक भवन, मॉल, रेस्टारेंट की जांच की तो चौकाने वाली जानकारी सामने आई।

कुछ होटलों में बेसमेंट में किचन चल रहा था तो कहीं छत पर खाना परोसा जा रहा था। कहीं अग्निशमन यंत्र नहीं मिले। जहां मिले भी तो चलने की स्थिति में नहीं थे। नगर निगम की टीम ने 10 होटल, चार व्यवसायिक भवन, विजय नगर क्षेत्र स्थित मंगल सिटी मॉल और एक रेस्टारेंट सील कर दिया। इन सभी से व्यवस्थाएं सुधारने के लिए कहा गया है।

ग्रीष्म ऋतु में संभावित अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण के लिए निगम के फायर विभाग और भवन अनुज्ञा

शाखा द्वारा शहर के विभिन्न व्यावसायिक, शैक्षणिक एवं सार्वजनिक प्रतिष्ठानों एवं होटलों में फायर सुरक्षा संबंधी सर्वे किया जा रहा है। निगम की टीमें अलग-अलग क्षेत्रों में व्यवसायिक संस्थानों में पहुंचकर फायर सुरक्षा के साधनों की जांच कर रही है।

नगर निगम अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने बताया कि जिन स्थानों पर लोगों की ज्यादा आवाजाही रहती है प्रयास किया जा रहा है कि पहले चरण में इन स्थानों की जांच पूरी कर ली जाए।

नगर निगम की भवन अनुज्ञा शाखा के भवन अधिकारी, भवन निरीक्षक ऐसे स्थानों पर पहुंचकर संस्थानों से अग्नि सुरक्षा व्यवस्था लगाने कार्य करवा रहे हैं। जिन भवन में अग्नि सुरक्षा उपकरण नहीं लगे हैं या जहां उपकरण बंद है उन भवन स्वामियों और संस्थान संचालकों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

एक निश्चित समय सीमा में व्यवस्था सुधारने के लिए कहा जा रहा है। जिन भवनों में नोटिस के बावजूद व्यवस्थाएं सुधर नहीं रही उन्हें सील किया जा रहा है। फायर अधिकारी विनोद मिश्रा ने बताया कि जिन भवनों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था नहीं है या सुरक्षा उपकरण बंद पाए गए हैं ऐसे 32 भवन पूर्व में सील किए जा चुके हैं। मंगलवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 10 होटल, चार व्यवसायिक भवन, एक रेस्टोरेंट और एक माल सील किया गया। मंगलवार को नगर निगम ने त्रिवाना होटल, होटल उपाध्याय, होटल सनशाइन, मंगल सिटी माल, वजीरो कोचिंग, रक्षा अकादमी, द इंग्लिश अकादमी, सूकून रेस्टारेंट एंड होटल, आर्बिट माल, रेस्टारेंट अलकसीम, होटल अशोका, होटल आकाश, होटल न्यू विशाल, होटल भगवती पैलेस, होटल चंद्रलोक, होटल नीलकमल, होटल क्राउन और होटल बीआर ग्रीन के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में होगा सामूहिक योग कार्यक्रम

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2026 को प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी कुलसचिवों, प्राचार्यों एवं संबंधित संस्थानों को निर्देश जारी किए हैं।

निर्देशों के अनुसार आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए निर्धारित गतिविधियों का पालन किया जाएगा। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से कहा गया है कि वे योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रम की तैयारी के तहत 19 जून 2026 को विद्यार्थियों को प्रशिक्षित योग शिक्षकों द्वारा योगाभ्यास कराया जाएगा। सामूहिक योग कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को योग के अनुरूप आरामदायक वेशभूषा धारण करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों को योग दिवस कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, 21 जून को आयोजित गतिविधियों की एकत्रित प्रतिवेदन रिपोर्ट 24 जून 2026 तक उच्च शिक्षा विभाग को भेजने के लिए कहा गया है। उच्च शिक्षा विभाग का उद्देश्य योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना, स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना तथा विद्यार्थियों में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है।

गरीब मरीजों के लिए वरदान बनी एयर एंबुलेंस सेवा, आयुष्मान योजना के तहत 50 प्रतिशत मरीजों को फ्री मिली सुविधा

इंदौर। गंभीर बीमारी या हादसे के बाद जब हर मिनट जिंदगी और मौत के बीच की दूरी तय करता है, तब एयर एंबुलेंस किसी संजीवनी से कम नहीं होती।

आमतौर पर लाखों रुपये खर्च होने के कारण यह सुविधा केवल संपन्न लोगों की पहुंच में मानी जाती थी, लेकिन मुख्यमंत्री एयर एंबुलेंस सेवा और आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से गरीब और जरूरतमंद लोगों को यह सुविधा निश्शुल्क मिल रही है।

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक दो वर्षों में इंदौर जिले के करीब 60 मरीजों को एयर एंबुलेंस के माध्यम से मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद, अहमदाबाद और अन्य सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों

तक पहुंचाया गया। इनमें लगभग 50 प्रतिशत मरीज ऐसे थे जिन्हें आयुष्मान योजना के तहत निश्शुल्क सुविधा उपलब्ध मिली है। अधिकारियों के अनुसार सड़क हादसे, हार्ट अटैक, ब्रेन हेमरेज, मल्टी आर्गन फेल्योर और जटिल न्यूरो मामलों में मरीजों को तत्काल उच्च स्तरीय उपचार की आवश्यकता होती है। ऐसे मामलों में समय सबसे बड़ी चुनौती होता है। सड़क मार्ग से 10 से 15 घंटे का सफर एयर एंबुलेंस के जरिए कुछ घंटों में पूरा हो जाता है, जिससे मरीज के बचने की संभावना बढ़ जाती है।

संस्कृति को मिला नया जीवन- सितंबर 2025 में बड़ा गणपति चौराहे पर हुए भीषण सड़क हादसे में घायल संस्कृति के सिर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई थीं। डाक्टरों ने तत्काल उन्नत न्यूरो और ट्रामा उपचार की जरूरत बताई। ऐसे में एयर एंबुलेंस के माध्यम से शासन ने मुंबई पहुंचाया, जहां उसे उच्च स्तरीय उपचार मिला। पिता ने बताया कि हमारे पास इतनी राशि नहीं है कि हम एयर एंबुलेंस से बच्ची को लेकर जा पाते, सरकार की योजना से ही यह संभव हो पाया है।

महाकाल मंदिर के पुजारी की पत्नी को मिला जीवनदान- उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर के पुजारी राजेश शर्मा की पत्नी माया को अपेंडिक्स के चलते दिसंबर 2025 में बाम्बे अस्पताल में भर्ती करवाया गया। यहां 22 दिन तक भर्ती रहने के बाद भी आराम नहीं मिला। इंफेक्शन फैलने के कारण हालत गंभीर हो गई, इसके बाद उन्हें एयर एंबुलेंस की मदद से अहमदाबाद भेजा। अब वह स्वस्थ है। राजेश शर्मा ने बताया कि एयर एंबुलेंस की मदद पत्नी को समय पर उपचार मिल सका है।

गोल्डन ऑवर में इलाज मिलना जरूरी- विशेषज्ञों के मुताबिक गंभीर न्यूरो, कार्डियक और ट्रामा मामलों में शुरुआती कुछ घंटे यानी गोल्डन आवर सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। एयर एंबुलेंस सेवा ने इसी अवधि में मरीजों को सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों तक पहुंचाकर जीवन रक्षा की संभावना बढ़ाई है।

50 प्रतिशत मरीजों को आयुष्मान योजना के तहत निश्शुल्क सुविधा दी गई है

एयर एंबुलेंस की मदद से अब तक 60 से अधिक मरीजों को बड़े शहरों में इलाज के लिए भेजा जा चुका है। इसमें से 50 प्रतिशत मरीजों को आयुष्मान योजना के तहत निश्शुल्क सुविधा दी गई है।

-डॉ. अभिषेक जीनवाल,
नोडल अधिकारी, मुख्यमंत्री एयर एंबुलेंस सेवा

आय से अधिक संपत्ति- इंदौर में महिला बाल विकास का संयुक्त संचालक लक्ष्मी नारायण कंडवाल निकला करोड़पति, लोकायुक्त ने मारा छापा

इंदौर। इंदौर में लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार सुबह महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक लक्ष्मी नारायण कंडवाल के ठिकानों पर छापा मारा। लोकायुक्त को शुरुआती जांच में उनके पास आय से अधिक संपत्ति होने के प्रमाण मिले हैं। इस पर कार्रवाई की गई है और उनके ठिकानों पर कार्रवाई जारी है।

सत्यापन में प्रथम दृष्टया आय से अधिक संपत्ति अर्जित करना सामने आने पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। इसके बाद बुधवार को छापामार कार्रवाई शुरू की गई। उनके स्कीम नंबर 103 में पांच मंजिला मकान पर छापा मारा गया। उनका सुपर स्टोर और जिम भी है। उनके इन सभी ठिकानों पर कार्रवाई की जा रही है।

लोकायुक्त पुलिस एसपी राजेश सहाय को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर जांच कराई गई थी। लोकायुक्त ने तीन अलग-अलग टीमों का गठन कर आरोपी अधिकारी के मकान, जिम और डिपार्टमेंटल स्टोर सहित अन्य ठिकानों पर एक साथ सर्च अभियान शुरू किया। कार्रवाई के दौरान दस्तावेजों, संपत्तियों और निवेश से जुड़े रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच के अनुसार संयुक्त संचालक लक्ष्मी नारायण कंडवाल की 2.5 करोड़ की आय है और उनके पास 9.5 करोड़ की संपत्ति है।

लोकायुक्त जांच के अनुसार उनकी सेवा अवधि लगभग 30 साल (1996 से पदस्थ) है। इस दौरान वेतन से प्राप्त कुल आय करीब 2.5 करोड़ रुपये होती है। वहीं उनकी सत्यापित संपत्ति करीब 9.5 करोड़ रुपये है। स्कीम नंबर-103 में 252 वर्गमीटर के व्यावसायिक भूखंड पर लगभग 13,500 वर्गफीट का बहुमंजिला निर्माण है, जिसमें व्यावसायिक परिसर और आलीशान आवास शामिल हैं। स्कीम नंबर-140 में लगभग 1000-1000 वर्गफीट के दो प्लॉट हैं। पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र से लगे तारपुरा, बेकलाय, बनेड़िया सहित ग्रामीण क्षेत्रों में 11 मूल्यवान भूखंड भी हैं। लोकायुक्त की कार्रवाई जारी है। दस्तावेजों और संपत्तियों के आधार पर अनुपातहीन संपत्ति का आंकड़ा और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

(1) ग्राम सोनवाय जिला इंदौर में 0.097 हेक्टयर कृषि भूमि 664170/- रुपये

(2) ग्राम तारपुरा तहसील व जिला धार स्थित प.ह.नं. 61 के सर्वे कमांक 33 रकबा 2.560 हेक्टयर कृषि भूमि 9,36,655/- रुपये

(3) भूखण्ड कमांक 149-सी, आनंद विहार, स्कीम नम्बर 103 इंदौर को कय करने एवं भूखण्ड पर जी+3 करीब 13560 वर्गफीट भवन निर्माण पर 2,66,57,450/- रुपये

(4) इंदौर विकास प्राधिकरण की योजना कमांक 140 स्थित भूखण्ड कमांक 220 ए.एम. (54 वर्गमीटर) को 21,90,806/- रुपये।

(5) इंदौर विकास प्राधिकरण की योजना कमांक 140 सेक्टर ए टाईप एम के भूखण्ड कमांक 378 ए.एम कय करने पर 15,34,572/- रुपये

सड़कों पर हर दिन दौड़ रहे 175 ओवरलोड वाहन, 200 से ज्यादा बिना लाइसेंसी चालक

इंदौर। शहर की सड़कों पर सबसे बड़ा खतरा केवल तेज गति नहीं, बल्कि ओवरलोड वाहनों और बिना वैध दस्तावेजों के दौड़ रहे वाहनों से है। मई 2026 में यातायात पुलिस द्वारा की गई 30 हजार 928 चालानी कार्रवाई के विश्लेषण से स्पष्ट हुआ है कि हर दिन औसतन 175 ओवरलोड वाहन पकड़े गए।

वहीं, बगैर लाइसेंस, फिटनेस और परमिट वाले वाहनों के छह हजार 23 चालान बनाकर समन शुल्क वसूला यानी प्रतिदिन 200 से ज्यादा ऐसे वाहनों को पकड़ा है, जिनके पास सड़क पर चलने के लिए जरूरी वैधानिक दस्तावेज नहीं थे। यातायात पुलिस द्वारा लगातार चालानी कार्रवाई के बावजूद वाहन चालक नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। चालान से 11.30 करोड़ रुपये से ज्यादा का समन शुल्क भी वसूला गया। 404 चालान तेज गति से वाहन चलाने के बनाए गए

मई महीने में सबसे ज्यादा पांच हजार 297 ओवरलोड वाहनों के चालान बनाए गए। यह संख्या दर्शाती है कि शहर में बड़ी संख्या में क्षमता से ज्यादा भार लेकर वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इसके अलावा 404 चालान तेज गति से वाहन चलाने के बनाए गए। दोनों श्रेणियों को मिलाकर पांच हजार 701 मामले सामने आए, जो सड़क दुर्घटनाओं की दृष्टि से सबसे गंभीर श्रेणी मानी जाती है।

वाहनों की ब्रेकिंग क्षमता प्रभावित होती है- विशेषज्ञों के अनुसार ओवरलोड वाहन दुर्घटना की स्थिति में सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे वाहनों की ब्रेकिंग क्षमता प्रभावित होती है और नियंत्रण खोने की आशंका बढ़ जाती है। लगातार सामने आ रहे आंकड़े संकेत देते हैं कि इंदौर की सड़कों पर हर दिन बड़े हादसों का जोखिम मौजूद है। चिंता की दूसरी वजह बिना वैध दस्तावेजों के सड़क पर दौड़ रहे वाहन हैं। यातायात पुलिस ने मई में बगैर लाइसेंस, फिटनेस और परमिट के कुल छह हजार 23 वाहनों के चालान बनाए। यह स्थिति बताती है कि नियमों की बुनियादी शर्तें पूरी किए बिना ही बड़ी संख्या में वाहन शहर की सड़कों पर संचालित हो रहे हैं।

शहर की सड़कों पर नियमों की अनदेखी आम बात बनी हुई है- शहर के चारों यातायात जोन में सबसे ज्यादा चालान जोन-1 और जोन-4 में बनाए गए। यह संकेत है कि व्यस्त और बाहरी मार्गों पर नियम उल्लंघन का स्तर अपेक्षाकृत ज्यादा है। पूरे महीने में 30 हजार 928 चालानी कार्रवाई से 11.30 करोड़ रुपये से ज्यादा का समन शुल्क भी वसूला गया। यदि ओवरलोडिंग, बगैर वैध दस्तावेजों वाले वाहन और लापरवाह ड्राइविंग पर केंद्रित अभियान चलाया जाए, तो सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। फिलहाल आंकड़े यही बताते हैं कि शहर की सड़कों पर नियमों की अनदेखी आम बात बनी हुई है।

चालानी कार्रवाई बढ़ी, लेकिन क्या व्यवहार सुधर रहा है?

आंकड़े साफ संकेत दे रहे हैं कि इंदौर में सड़क सुरक्षा की सबसे बड़ी चुनौती ओवरलोड वाहन, बगैर वैध दस्तावेजों के संचालन और लापरवाह ड्राइविंग है। यदि इन तीन क्षेत्रों पर केंद्रित अभियान चलाया जाए तो दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। फिलहाल तस्वीर यही है कि शहर की सड़कों पर हर दिन सैकड़ों वाहन नियमों की अनदेखी करते हुए दौड़ रहे हैं और किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं। ट्रैफिक डीसीपी राजेश त्रिपाठी के अनुसार यातायात नियमों का पालन करने के लिए वाहन चालकों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। हेलमेट पहनकर ही वाहन चलाने की सलाह दी जा रही है। वहीं, एडिशनल डीसीपी संतोष कौल के अनुसार स्कूल, कालेजों और निजी संस्थानों में लगातार समझाइश दी जा रही है कि यातायात नियमों का पालन करें।

फीफा का क्या है मतलब टूर्नामेंट शुरू होने से पहले आप भी जान लीजिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। फुटबॉल का महाकुंभ फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत होने में अब कुछ ही घंटों का समय बचा है। टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून (भारतीय समयानुसार 12 जून) से होगी। इस बार 3 देश (अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको) फीफा विश्व कप की मेजबानी कर रहे हैं।

16 शहरों में 104 मुकाबले खेले जाएंगे। इतना ही नहीं 48 देशों के बीच ट्रॉफी की जंग देखने को मिलेगी। ऐसे में यह इतिहास का सबसे बड़ा फुटबॉल विश्व कप होगा। विश्व कप से पहले बड़ा सवाल उठता है कि स्वढ्डस्न का मतलब क्या होता है कुछ ही फुटबॉल प्रेमी होंगे जो इसका फुल फॉर्म जानते होंगे। FIFA का अर्थ है फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन। इसका अर्थ होता है इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन फुटबॉल। यह संस्था दुनिया भर में फुटबॉल को संचालित करती है और हर 4 साल में फीफा विश्व कप का आयोजन कराती है। इसकी स्थापना 1904 में हुई थी। स्वढ्डस्न का मुख्यालय स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में है।

बता दें कि इस समय फीफा से 211 राष्ट्रीय फुटबॉल संघ जुड़े हुए हैं। फीफा नाम की यह संस्था FIFA विमंस विश्व कप, फीफा -20 विश्व कप, फीफा -17 विश्व कप और फीफा क्लब विश्व कप आदि टूर्नामेंट का आयोजन करती है। इतना ही नहीं यह संस्था नियम भी बनाती है।

टॉप-2 टीम नॉक आउट में जाएंगी- फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फॉर्मेट की बात करें तो सभी टीमों को 4-4 के 12 ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप स्टेज के मुकाबलों के बाद सभी समूह की टॉप-2 टीमें नॉक आउट स्टेज में जाएंगी। इसके अलावा इन्हीं 12 ग्रुप की तीसरे नंबर की टीमों में से 8 टीमें रैंकिंग के आधार पर नॉकआउट स्टेज में एंट्री करेंगी। 29 जून से 3 जुलाई तक 32 टीमों के नॉकआउट से 16 टीमें आगे जाएंगी।

4 से 7 जुलाई तक 16 टीमों के बीच 8 मुकाबले खेले जाने हैं। 9 और 10 जुलाई को एक-एक, जबकि 11 जुलाई को दो क्वार्टरफाइनल मैच होंगे। 14-15 जुलाई को सेमीफाइनल और 18 जुलाई को थर्ड प्लेस के लिए मैच होगा। 19 जुलाई को अमेरिका के न्यूजर्सी में फाइनल मैच होगा।

ग्रुप 1- मेक्सिको, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, चेक रिपब्लिक।

ग्रुप 2- कनाडा, बोस्निया, हर्जेगोविना, कतर, स्विट्जरलैंड।

ग्रुप 3- ब्राजील, मोरक्को, हैती, स्कॉटलैंड।

ग्रुप 4- अमेरिका, पैराग्वे, ऑस्ट्रेलिया, तुर्की।

ग्रुप 5- जर्मनी, कुराकाओ, आइवरी कोस्ट, इक्वाडोर।

ग्रुप 6- नीदरलैंड, जापान, स्वीडन, ट्यूनीशिया।

ग्रुप 7- बेल्जियम, मिस्र, ईरान, न्यूजीलैंड।

ग्रुप 8- स्पेन, काबो वर्डे, सऊदी अरब, उरुग्वे।

ग्रुप 9- फ्रांस, सेनेगल, इराक, नॉर्वे।

ग्रुप 10- अर्जेंटीना, अल्जीरिया, ऑस्ट्रिया, जॉर्डन।

ग्रुप 11- पुर्तगाल, डीआर कांगो, उज्बेकिस्तान, कोलंबिया।

ग्रुप 12- इंग्लैंड, क्रोएशिया, घाना, पनामा।

डेब्यू टेस्ट में कमाल करने वाले मानव सुथार की चमकी किस्मत, भारतीय ऑलराउंडर को मिली बड़ी डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम को इकलौते टेस्ट में भारतीय टीम ने पारी और 300 रन से मात दी। भारत की ओर से ऑलराउंडर मानव सुथार ने टेस्ट डेब्यू किया। अपने पहले ही इंटरनेशनल मैच में बाएं हाथ के स्पिनर मानव छा गए और उन्होंने कई रिकॉर्ड पर कब्जा जमाया। मानव ने अफगानिस्तान की पहली पारी में 6 और दूसरी पारी में 1 विकेट लिया। मुकाबले में 7 विकेट लेने वाले और 28 रनों का योगदान देने वाले सुथार को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

वार्विकशायर के साथ डील- अब मानव को डेब्यू टेस्ट में कमाल की गेंदबाजी करने का इनाम मिला है। इंग्लिश क्लब ने बुधवार को घोषणा की कि भारत के उभरते हुए स्पिनर मानव सुथार ने काउंटी चैंपियनशिप के अगले दो राउंड के लिए वार्विकशायर के साथ एक शॉर्ट-टर्म डील साइन की है। वह वार्विकशायर के लिए यॉर्कशायर और समरसेट के खिलाफ होने वाले मैचों में उपलब्ध रहेंगे।

साइनिंग के बाद एक प्रेस रिलीज में सुथार ने कहा कि वह ऐसी टीम में शामिल होने को लेकर उत्साहित हैं जिसने सीजन की मजबूत शुरुआत की है। उन्हें उम्मीद है कि वह टीम के टाइटल जीतने के अभियान में योगदान दे पाएंगे। वार्विकशायर ने कहा कि सुथार उनके बॉलिंग अटैक को एक नया आयाम देंगे, क्योंकि वे काउंटी चैंपियनशिप का खिताब जीतने की कोशिश में लगे हुए हैं।

सुथार के प्रदर्शन पर एक नजर- सुथार ने अब तक खेले 30 प्रथम श्रेणी मैच की 54 पारियों में 136 सफलताएं प्राप्त की हैं।

इस दौरान उनकी औसत 24.89 की और इकोनॉमी 2.91 की रही है।

इस प्रारूप में ऑलराउंडर प्लेयर के नाम 973 रन भी हैं।

मानव ने 25 लिस्ट ए मैच में 34 और 29 टी20 मैच में 25 विकेट चटकाए हैं।

इसी प्रदर्शन की बदौलत उन्हें टेस्ट डेब्यू का मौका मिला था।

कुलदीप यादव ने मानव को टेस्ट डेब्यू कैप सौंपी थी।

प्रगनानंद से सीख लेकर दमदार वापसी की कोशिश करें गुकेश, विश्वनाथन आनंद ने दिया अहम सुझाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने आर प्रगनानंद के खेलने के बेहद प्रतिस्पर्धी अंदाज की तारीफ की और संघर्ष कर रहे विश्व चैंपियन डी गुकेश से कहा कि वे नार्वे शतरंज चैंपियन बने इस खिलाड़ी से सीख लेकर अपनी वापसी की कहानी लिखें।

प्रगनानंद हाल ही में नार्वे शतरंज का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय शतरंज खिलाड़ी बने, जबकि गुकेश टूर्नामेंट में छठे स्थान पर रहे। आनंद ने कहा कि मुझे खुशी है कि प्रगनानंद ने शानदार अंदाज में नार्वे शतरंज जीता। पिछले चार दौर में उन्होंने जिस तरह से जोरदार वापसी की उससे मैं बहुत खुश हूं। वे बहुत ही प्रभावशाली शैली के साथ खेल रहे हैं।

इस साल के आखिर में अपने विश्व खिताब के बचाव के लिए जावोखिर सिंदारोव से भिड़ने वाले गुकेश को सलाह देते हुए आनंद ने कहा कि वह प्रगनानंद से प्रेरणा लें।

आनंद ने कहा कि प्रगनानंद इस समय गुकेश से बेहतर खेल रहे हैं लेकिन कुछ भी बदल सकता है। मुझे लगता है कि फॉर्म में बार-बार उतार-चढ़ाव आते रहेंगे। गुकेश थोड़े अटके हुए लग रहे हैं। मुझे लगता है कि वह प्रगनानंद से प्रेरणा ले सकते हैं।

प्रगनानंद जबरदस्?त खेलते हैं- उन्होंने कहा कि वह देख सकते हैं कि अगर आप कड़ी मेहनत करते रहते हैं तो किसी ना किसी मोड़ पर चीजें बदल ही जाती हैं। पांच बार के विश्व चैंपियन आनंद ने कहा कि प्रगनानंद बोर्ड पर हमेशा मुकाबले के लिए तैयार रहते हैं और यही रवैया उनके लिए मददगार होता है।

आनंद ने कहा कि असल में पिछले डेढ़ साल से प्रगनानंद वैसे ही हैं। कभी-कभी वे जबरदस्त खेलते हैं और दिलचस्प खेल दिखाते हैं और वह हमेशा मुकाबले के लिए तैयार रहते हैं। हो सकता है कि नतीजे हमेशा उनके पक्ष में ना हों।

उन्होंने कहा कि शुरुआती छह दौर के खेल में पिछले आठ या नौ महीने की तुलना में अधिक फर्क नहीं देख सकते। लेकिन फिर शानदार वापसी हुई और उन्हें देखकर काफी अच्छा लगा क्योंकि उन्होंने बहुत दिलचस्प शतरंज खेला।

चेहरा तो याद है, पर नाम जुबान पर नहीं आ रहा... जानें क्यों हमारा ही दिमाग खेलता है हमारे साथ ये खेल

क्या आपके साथ भी कभी ऐसा हुआ है कि सामने कोई जाना-पहचाना चेहरा आ जाए, आपको ये भी याद हो कि आप उनसे कब और कहां मिले थे, लेकिन लाख कोशिशों के बाद भी उनका नाम जुबान पर न आए? इस असमंजस भरी स्थिति से हम सभी कभी न कभी जरूर गुजरे हैं।

अगर आपको लगता है कि ऐसा आपकी कमजोर याददाश्त की वजह से है, तो आप बिल्कुल गलत हैं! दरअसल, इस पूरी घटना के पीछे हमारे दिमाग की बनावट और उसके काम करने का तरीका जिम्मेदार है। आइए समझते हैं कि आखिर हमारा दिमाग हमारे साथ ऐसा क्यों करता है।

हमारे दिमाग में चेहरों को पहचानने के लिए एक अलग हिस्सा होता है जिसे फ्यूसीफॉर्म फेस एरिया कहा जाता है। यह हिस्सा केवल चेहरों को डिकोड करने के लिए बना है। जब हम किसी का चेहरा देखते हैं, तो हमारा दिमाग उसके चेहरे की मैपिंग को एक साथ प्रोसेस करता है। चेहरा एक विजुअल डेटा है और इंसानी दिमाग तस्वीरों को शब्दों की तुलना में बहुत तेजी से और लंबे समय तक याद रखता है।

नाम केवल एक लेबल है- चेहरे के उल्ट नाम एक अब्स्ट्रैक्ट जानकारी है। किसी का नाम हर्षिता या निखिल होना उसकी पर्सनैलिटी के बारे में कुछ नहीं बताता। नाम केवल एक आर्बिट्ररी लेबल है जिसका व्यक्ति के हुलिए से कोई सीधा संबंध नहीं होता।

जैसे अगर आप किसी से मिलते हैं और वह कहता है कि वह एक बेकर है, तो आपको यह याद रहने की संभावना ज्यादा है क्योंकि आपका दिमाग तुरंत ताजी ब्रेड और खुशबू की तस्वीर बना लेता है। लेकिन अगर उसका नाम मिस्टर बेकर है, तो दिमाग के पास उससे जोड़ने के लिए कोई विजुअल रेफ्रेंस नहीं होता।

बेकर-बेकर पैराडॉक्स- साइकोलॉजी में इसे बेकर-बेकर पैराडॉक्स कहा जाता है। यह थ्योरी बताती है कि हमारा दिमाग मीनिंगफुल जानकारी को नामों की तुलना में ज्यादा आसानी से स्टोर करता है। चेहरा एक विजुअल डेटा है, जबकि नाम केवल एक डेटा पॉइंट।

एवोल्यूशन से जुड़ा कनेक्शन- लाखों साल पहले, आदिमानवों के लिए जिंदा रहने के लिए यह पहचानना जरूरी था कि सामने वाला व्यक्ति दोस्त है या दुश्मन। यह पहचान चेहरे के हाव-भाव और कद-काठी से होती थी, न कि नाम से। हमारा विकास इस तरह हुआ है कि हम विजुअल संकेतों को तुरंत पहचान लेते हैं। नाम रखने की परंपरा तो इंसानी सभ्यता के इतिहास में बहुत बाद में आई है।

ब्रश करते समय न करें ये गलती! दांतों को कैविटी से बचाने के लिए अपनाएं 4 सही तरीके

ब्रशिंग का मतलब सिर्फ दांतों को चमकाना या सांसों की दुर्गंध रोकना नहीं है। ब्रशिंग का सही तरीका बेहतर ओरल हेल्थ के साथ-साथ आपके पूरे स्वास्थ्य को ठीक रखता है। तो आइए जानते हैं ब्रशिंग से जुड़े ऐसे ही 4 तरीकों के बारे में जो आपके पूरे मुंह की सेहत को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं-

तुरंत कुल्ला न करें - वैसे हमे ऑटोमैटिक ही ब्रश करते ही स्पिट करने की आदत होती है और हम खुद को रोक नहीं पाते। अगली बार जब भी ब्रश करें थोड़ी देर के लिए टूथपेस्ट को मुंह में ही बने रहने दें। पेस्ट में मौजूद फ्लोराइड दांतों के इनामेल को मजबूत बनाता है। ऐसा करने से कैविटी को रोकने में मदद मिलती है। साथ ही पानी से तुरंत कुल्ला ना करने से फ्लोराइड और भी असरदार तरीके से काम कर पाता है।

फ्लोराइड युक्त पेस्ट- वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के साथ-साथ इंडियन डेंटल एसोसिएशन भी पेस्ट में फ्लोराइड की एक सुरक्षित मात्रा इस्तेमाल करने की अनुमति देते हैं। वैसे तो काफी लोग फ्लोराइड फ्री टूथपेस्ट का ऑप्शन भी चुनते हैं, लेकिन यह मिनरल पानी, मिट्टी या फूड सोर्सेज में नैचुरली पाया जाता है और दांतों को कैविटी से बचाने का काम करता है। लेकिन एक बार ढेर सारा पेस्ट इस्तेमाल ना करें, बस मटर के दाने बराबर मात्रा ही दांतों की सफाई के लिए काफी है।

एसिडिक फूड खाते ही ब्रशिंग- अगर सुबह-सुबह आपने चाय या जूस लिया है तो उसके तुरंत बाद ही ब्रश ना करें। एसिड की वजह से दांतों की ऊपरी परत मुलायम हो जाती है और एसिडिक फूड लेने के तुरंत बाद ब्रश करने से इनामेल कमजोर हो जाता है। कम से कम आधे घंटे का गैप रखें। इसकी जगह आप पानी से कुल्ला कर सकते हैं।

ब्रशिंग का एंगल- ब्रश को कभी भी अगल-बगल नहीं बल्कि ऊपर-नीचे की डायरेक्शन में चलाना चाहिए। इसे 45 डिग्री के एंगल पर रखें। इससे आपका ब्रश जड़ों के पास भी पहुंच पाएगा, जहां पर बैक्टीरिया और खाने के कण रह जाने का खतरा ज्यादा होता है। इस एंगल में प्लाक आसानी से साफ हो जाते हैं।

लंच या डिनर के तुरंत बाद तरबूज खाने की न करें गलती! भयंकर गैस और ब्लोटिंग से बचाएंगे 4 रूल्स

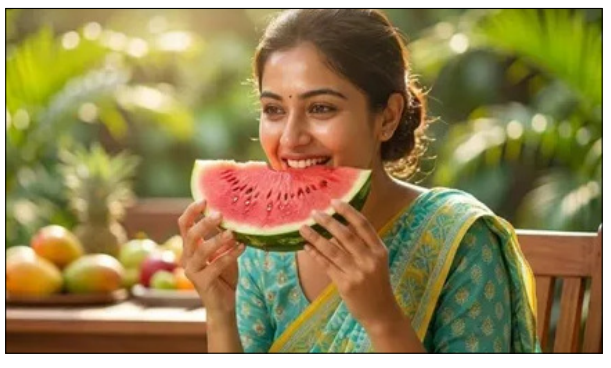

चिलचिलाती धूप से राहत पाने के लिए लोग अक्सर ऐसे फूड्स का सहारा लेते हैं, जो शरीर में ठंडक बनाए रखे। तरबूज इन्हीं फूड्स में से एक है, पानी का बेहतरीन सोर्स होने के साथ-साथ सेहत के लिए काफी फायदेमंद भी होता है।

हाल ही में मुंबई में डिनर में बिरयानी खाने के बाद तरबूज खाने से एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत की खबर ने सभी को डरा दिया है। अब लोगों के मन में इसे लेकर तरह-तरह के सवाल आ रहे हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें, तो तरबूज हमेशा से ही एक हेल्दी फ्रूट रहा है और मुंबई के मामले में मौत की वजह तरबूज ही है, यह फिलहाल साफ नहीं हुआ है। ऐसे में इसे लेकर मन में कोई भी डर रखना बेकार ही है।

हालांकि, कुछ लोगों का पेट लंच या डिनर के तुरंत बाद तरबूज खाने से किसी गुब्बारे की तरह भारी होकर फूलने लगता है, लेकिन यह घबराने वाली बात नहीं है। आइए मेदांता अस्पताल, नोएडा में डायटेटिक्स डिपार्टमेंट की हेड डायटीशियन डॉ. निधि सहाय से जानते हैं क्यों खाने के बाद तरबूज खाने से ब्लोटिंग होती है और इसे खाने का सही नियम क्या है।

गर्मियों में हमारा पाचन नेचुरली थोड़ा सुस्त हो जाता है। शरीर अपना ज्यादातर फोकस हमारे बॉडी टेम्परेचर को कंट्रोल

सुबह के पहले 60 मिनट तय करते हैं आपकी सेहत का हाल! आंख खुलते ही करें 3 काम और इन चीजों से रहें दूर

सुबह आंख खुलते ही आप सबसे पहले क्या करते हैं? इस एक सवाल का जवाब आपके पूरे दिन का मूड, एनर्जी लेवल और मेंटल हेल्थ तय कर सकता है। न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुधीर कुमार के अनुसार, जागने के बाद के शुरुआती 60 मिनट आपके दिनभर की नींव रखते हैं।

अगर इस गोल्डन आवर का सही इस्तेमाल किया जाए, तो न सिर्फ आपका फोकस बढ़ता है, बल्कि पूरी सेहत दुरुस्त रहती है। आइए जानते हैं कि सुबह के पहले घंटे में आपको कौन सी आदतें अपनानी चाहिए और किन गलतियों से बचना चाहिए।

सुबह उठते ही क्या करें- धूप में जाएं- डॉ. कुमार के अनुसार, सोकर उठने के 30 से 60 मिनट के भीतर बाहर जाना और धूप लेना सबसे जरूरी है। सूरज की रोशनी हमारे शरीर में कोर्टिसोल के रिलीज को एक्टिव करती है, जो हमें अलर्ट बनाता है। साथ ही, यह शाम को बनने वाले मेलाटोनिन हार्मोन के लिए एक काउंटडाउन टाइमर सेट कर देता है, जिससे रात को समय पर नींद आती है।

तुरंत हाइड्रेशन- पूरी रात की नींद के दौरान हमारा शरीर पानी की कमी महसूस करने लगता है। इसलिए, जागने के बाद सबसे पहले पानी पीना चाहिए। यह मेटाबॉलिज्म को एक्टिव करने और शरीर के टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है।

हल्की एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग- सुबह उठते ही बहुत भारी वर्कआउट के बजाय ब्रिस्क वॉकिंग और स्ट्रेचिंग करें। यह शरीर के तापमान को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे आप पूरे दिन ज्यादा एक्टिव महसूस करते हैं।किन गलतियों से बचें?

तुरंत चाय या कॉफी न पिएं- ज्यादातर लोग आंख खुलते ही बेड टी या कॉफी के शौकीन होते हैं, लेकिन डॉ. कुमार इसे टालने की सलाह देते हैं। जागने के तुरंत बाद कैफीन लेना शरीर के प्राकृतिक हार्मोनल संतुलन में बाधा डाल सकता है।

सोशल मीडिया और ईमेल से दूरी- सुबह-सुबह फोन उठाकर ईमेल चेक करना या सोशल मीडिया स्क्रॉल करना तनाव पैदा कर सकता है। यह आपके दिमाग को सूचनाओं के बोझ तले दबा देता है और फोकस को प्रभावित करता है।

स्नूज बटन का इस्तेमाल न करें- अलार्म बजने पर उसे 10 मिनट के लिए स्नूज करना स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह है। जब आप दोबारा 10 मिनट के लिए सोते हैं, तो आपका दिमाग एक नया स्लीप साइकिल शुरू कर देता है जिसे वह पूरा नहीं कर पाता। इससे उठने के बाद आप ज्यादा थकान और आलस महसूस करते हैं।

शुगरी सीरियल्स न खाएं- अपने दिन की शुरुआत ज्यादा चीनी वाले अनाज या प्रोसेस्ड फूड से न करें। यह शुगर लेवल को अचानक बढ़ा देता है, जिसके बाद दिन के एनर्जी का स्तर तेजी से गिर सकता है।

वैभव सूर्यवंशी करेंगे दमदार वापसी, इन 11 योद्धाओं के साथ उतरेंगे तिलक वर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्राई सीरीज के अपने दूसरे मुकाबले में गुरुवार को इंडिया ए टीम का सामना अफगानिस्तान ए से होगा। यह मुकाबला रंगिरी दांबुला स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे शुरू होगा। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में श्रीलंका ए को मात दी थी।

ऐसे में कप्तान तिलक वर्मा की नजर जीत की लय बरकरार रखने पर होगी। इतना ही नहीं पहले मैच में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे वैभव सूर्यवंशी की नजर दमदार वापसी पर होगी। भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ विनिंग कॉम्बिनेशन से ज्यादा छेड़छाड़ नहीं कर सकती है।

फिर एक्शन में नजर आएंगे वैभव- वैभव सूर्यवंशी और विकेटकीपर प्रभसिमरन सिंह एक बार फिर पारी की शुरुआत कर सकते हैं। पिछले मैच में वैभव ने 3 चौकों की बदौलत 12 गेंदों 14 रन बनाए थे। वहीं प्रभसिमरन 2 रन ही बना पाए थे। अफगानिस्तान के खिलाफ दोनों बल्लेबाजों की नजर दमदार वापसी पर होगी। 3 नंबर पर प्रियांश आर्य उतर सकते हैं। पिछले मैच में सेट होने के बाद रन आउट हुए आर्य अपनी गलती को सुधारना चाहेंगे।

रुतुराज शानदार फॉर्म में- पिछले मैच के हीरो रुतुराज गायकवाड़ अपनी फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगे। श्रीलंका के खिलाफ उपकप्तान गायकवाड़ ने शतक ठोका था। उन्हें कप्तान तिलक वर्मा का भरपूर साथ मिला था। 5 नंबर पर उतरे तिलक ने फिफ्टी लगाई थी। लोअर ऑर्डर में आयुष बदोनी को उतरा जा सकता है। ऑलराउंडर अनुकूल रॉय और सूर्यांश शेडगे बल्लेबाजी को गहराई देंगे। वहीं गेंदबाजी की कमान अंशुल कंबोज, अरशद खान और विप्रज निगम के कंधों पर होगी।

इंडिया ए की संभावित प्लेइंग 11- वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), प्रियांश आर्य, रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा (कप्तान), आयुष बडोनी, अनुकूल रॉय, सूर्यांश शेडगे, अंशुल कंबोज, अरशद खान, विप्रज निगम।

ट्राई सीरीज के लिए इंडिया ए टीम- तिलक वर्मा (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उप-कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज, अरशद खान, अनुकूल रॉय।

जहाज डूब रहा है, अमेरिकी मिसाइल हमले के बाद भारतीय क्रु लगा रहा था मदद की गुहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को ओमान के तट के पास अमेरिकी नौसेना द्वारा हमला किए गए एक जहाज का ऑडियो क्लिप सामने आया है। इस क्लिप में 24 भारतीय क्रू सदस्यों में से एक सदस्य अधिकारियों से मदद की गुहार लगा रहा है। वह बता रहा है कि टैंकर एमटी मारिवेक्स में आग लग गई है और डूब रहा है।

अमेरिका द्वारा ब्लैकलिस्ट और प्रतिबंधित पलाऊ के झंडे वाले इस टैंकर पर तब मिसाइल दागी गई, जब उसने ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नाकेबंदी से बचने की कोशिश की। बाद में सभी 24 भारतीय क्रू मेंबर्स को ओमान की सेना ने सुरक्षित निकाल लिया।

अधिकारियों से मदद मांगते हुए एक क्रू मेंबर ने आपातकालीन मैसेज में कहा कि सर, यह मोटर टैंकर मारिवेक्स है... जहाज पर आग लग गई है और जहाज डूब रहा है।

उसने कहा, अमेरिकी नौसेना का हमला, मिसाइल हमारे इंजन रूम में लगी है। जहाज के निचले हिस्से में छेद हो गया है। जहाज पर आग लगी है, कृपया मदद करें... कृपया मदद करें, कृपया मदद करें।

घबराए हुए इस सदस्य ने आगे कहा कि क्रू के सभी सदस्य भारतीय हैं। कुल 24 सदस्य हैं, सभी भारतीय हैं। कृपया जल्दी मदद करें, हमें तुरंत मदद की जरूरत है।

हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू- मुंबई में भारतीय तटरक्षक बल के समुद्री बचाव समन्वय केंद्र को दोपहर लगभग 2:20 बजे मसीरा के पास खड़े एमटी मारिवेक्स पर मिसाइल हमले की जानकारी मिली। इसके तुरंत बाद, स्थिति की निगरानी करने और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ओमान समुद्री खोज और बचाव केंद्र के साथ संपर्क स्थापित किया गया।

इसके बाद, ओमान की रॉयल एयर फोर्स के हेलीकॉप्टर ने दोपहर करीब 3:25 बजे मसीरा द्वीप के एक एयर बेस से उड़ान भरी और 20 मिनट बाद मारिवेक्स की लोकेशन पर पहुंच गया। सामने आए दृश्यों में हेलीकॉप्टर को जहाज के डेक के ऊपर मंडराते और फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालते हुए देखा जा सकता है।

H-1बी वीजा शुल्क बढ़ाने पर कोर्ट की रोक से भड़के ट्रंप; जजों पर हमला बोलते हुए कहा- यह बिल्कुल पागलपन है

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने संघीय अदालत के उस आदेश की मंगलवार को आलोचना की जिसमें एक लाख अमेरिकी डॉलर के एच-1बी वीजा शुल्क को रद कर दिया गया था।

ट्रंप ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई देश को बहुत बुरी तरह से नुकसान पहुंचा रही है। ट्रंप ने न्यूयॉर्क में पत्रकारों से कहा, ये जज हमें वाकई बहुत परेशान कर रहे हैं, बिल्कुल पागलपन है। वे हमारे देश को बहुत बुरी तरह नुकसान पहुंचा रहे हैं। गौरतलब है कि मैसाचुसेट्स में संघीय जज ने सोमवार को ट्रंप प्रशासन द्वारा उच्च कुशल श्रमिकों के लिए एच-1बी वीजा पर लगाए गए एक लाख अमेरिकी डॉलर के शुल्क को रद कर दिया था। बोस्टन स्थित मैसाचुसेट्स फेडरल कोर्ट के न्यायाधीश लियो सोरोकिन ने सोमवार को कहा कि यह शुल्क वास्तव में एक कर (टैक्स) की तरह है, जबकि इसे लागू करने के लिए कांग्रेस से कोई वैधानिक मंजूरी नहीं ली गई थी।

व्हाइट हाउस ने संकेत दिया कि इस आदेश को अपीलीय अदालत में चुनौती दी जाएगी। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता टेलर रोजर्स ने कहा, एच-1बी कार्यक्रम का दशकों से दुरुपयोग किया जा रहा था और राष्ट्रपति ट्रम्प ने आखिरकार इसे ठीक करने के लिए कार्रवाई की। गौरतलब है कि ट्रंप प्रशासन ने सितंबर 2025 में यह शुल्क लागू किया था। इससे पहले एच-1बी वीजा के लिए नियोक्ताओं को आमतौर पर दो हजार से पांच हजार डॉलर तक का शुल्क देना पड़ता था।

नई व्यवस्था के तहत लागत में भारी वृद्धि हो गई थी, जिसके कारण आवेदन संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 15 फरवरी 2026 तक केवल 85 आवेदकों ने यह शुल्क जमा कराया था।

ईरान ने US नेवी के 5वें बेड़े पर किया हमला, जॉर्डन में अमेरिकी बेस को भी बनाया निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि बुधवार को ईरान के दक्षिणी इलाकों में अमेरिकी हमलों के जवाब में उन्होंने बहरीन में अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट पर ड्रोन से हमला किया। साथ ही बताया कि जॉर्डन में अमेरिकी बेस को मिसाइल हमले से निशाना बनाया।

एक बयान में गार्ड्स ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका की आक्रामकता इसी तरह से जारी रही तो और भी कड़ा जवाब दिया जाएगा। गार्ड्स ने कहा कि अमेरिकी हमलों से ईरान के सिरिक बंदरगाह शहर में एक टेलीकम्युनिकेशन टावर और पानी की दो टंकियों को नुकसान पहुंचा।

आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान में कई जगहों पर (जास्क, सिरिक और केशम शामिल हैं) झूठे बहाने बनाकर हमले किए। ईरानी मीडिया के अनुसार, गार्ड्स ने एक बयान में कहा, ÷युद्ध-प्रेमी अमेरिकी सरकार ने आज सुबह-सुबह झूठे बहाने बनाकर जास्क, सिरिक और केशम में कई जगहों पर हमला किया। इसके बाद सिरिक में एक टेलीकम्युनिकेशन मास्ट को नुकसान पहुंचा और शहर में पानी की दो टंकियां नष्ट हो गईं।÷

बहरीन ने क्या कहा- इस दौरान बहरीन ने मिसाइल अलर्ट सायरन बजाए। बहरीन के गृह मंत्रालय ने लोगों से सुरक्षित जगह पर जाने को कहा। बहरीन, सऊदी अरब के तट के पास फारस की खाड़ी में स्थित एक द्वीप देश है।

अमेरिका बोला- आत्मरक्षा में किए हमले- वहीं, यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट के पास अमेरिकी सेना के अपाचे हेलीकॉप्टर को गिराए जाने के बाद 9 जून को उसने ईरान के खिलाफ आत्मरक्षा में हमले किए।

एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में CENTCOM ने कहा कि उसकी सेनाओं ने कमांडर-इन-चीफ के निर्देश पर सटीक हमले किए। बयान में कहा गया है, "CENTCOM की फोर्स ने होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरानी एयर डिफेंस, ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और सर्विलांस रडार साइटों पर यूएस एयर फोर्स और नेवी के फाइटर जेट से सटीक हथियारों के जरिए हमला किया। यह ऑपरेशन यूएस फोर्स और इलाके के पानी से गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय कमर्शियल जहाजों पर हाल ही में हुए हमलों का एक आनुपातिक जवाब था।

इसमें आगे कहा गया, अमेरिकी सेना सतर्क है और ईरान की अनुचित आक्रामकता से बचाव के लिए तैयार है। यह ऑपरेशन तब हुआ जब अमेरिका ने ईरान पर कई बार हमले किए। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में हुई हेलीकॉप्टर की घटना के बाद इन हमलों को आत्मरक्षा में किए गए हमले और ईरान की अनुचित आक्रामकता का उचित जवाब बताया।

पाकिस्तान को अमेरिका से बड़ा झटका... UNSC में BLA को ब्लैकलिस्ट करने के प्रस्ताव पर लगाया वीटो

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान और चीन की उस संयुक्त कोशिश को रोक दिया है, जिसमें बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और मजीद ब्रिगेड को आतंकवादी संगठन घोषित करने की मांग की गई थी।

पाकिस्तान और चीन ने पिछले साल सितंबर में सुरक्षा परिषद के 1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति के तहत बीएलए और मजीद ब्रिगेड को ब्लैकलिस्ट करने के लिए संयुक्त प्रस्ताव पेश किया था। पता चला है कि इस महीने अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन ने इस कोशिश को रोक दिया। ये तीनों देश सुरक्षा परिषद के स्थायी वीटो अधिकार वाले सदस्य हैं। पाकिस्तान ने क्या कहा था?

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद ने कहा था कि ढ्ढस्ढ्ढरुन्च, अल-कायदा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट, बीएलए और मजीद ब्रिगेड जैसे आतंकवादी संगठन अफगानिस्तान में मौजूद ठिकानों से काम करते हैं। ऐसे 60 से ज्यादा आतंकवादी कैंप हैं जो सीमा पार घुसपैठ और हमलों के लिए केंद्र का काम करते हैं।

अहमद ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा, पाकिस्तान और चीन ने संयुक्त रूप से 1267 प्रतिबंध समिति के पास बीएलए और मजीद ब्रिगेड को नामित करने का अनुरोध सौंपा है। हमें उम्मीद है कि परिषद उनकी आतंकवादी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए इस सूचीकरण पर तेजी से कार्रवाई करेगी।

पाकिस्तान अभी 2025-26 के कार्यकाल के लिए 15 देशों वाली सुरक्षा परिषद में एक अस्थायी सदस्य के तौर पर शामिल है, जबकि चीन इस संस्था का वीटो अधिकार वाला स्थायी सदस्य है।

पाकिस्तान 2025 के लिए यूएन सुरक्षा परिषद की 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष और आतंकवाद-रोधी समिति का उपाध्यक्ष था। इससे पहले, यूएन सुरक्षा परिषद के स्थायी और वीटो का अधिकार रखने वाले सदस्य चीन ने परिषद की 1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति के तहत पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों और आतंकी संगठनों को नामित करने के लिए भारत और उसके सहयोगियों (जैसे अमेरिका) के कई प्रस्तावों को रोक दिया था।

अमेरिका ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और उसके दूसरे नाम मजीद ब्रिगेड को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया है। विदेश विभाग ने बीएलए के पहले से मौजूद खास तौर पर नामित वैश्विक आतंकवादी वाले दर्जे में मजीद ब्रिगेड को भी उसके एक और नाम के तौर पर शामिल किया है।

916, 750 या 999 गोल्ड पर लिखे ये नंबर क्या बताते हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में सोना खरीदना सिर्फ एक परंपरा ही नहीं, बल्कि बड़ा निवेश भी माना जाता है। लेकिन अक्सर लोग सोने की शुद्धता यानी प्योरिटी को लकर भ्रमित रहते हैं। ज्वेलरी पर लिखे छोट-छोटे नंबर- जैसे 916, 750 या 999- असल में क्या बताते हैं, यह समझना बेहद जरूरी है ताकि खरीदारी में धोखा न हो। दरअसल, सोने की शुद्धता को पहचानने का सबसे भरोसेमंद तरीका BIS हॉलमार्किंग सिस्टम है। यह प्रणाली Bureau Of Indian Standars द्वारा तय की गई है, जो सोने की क्वालिटी को प्रमाणित करती है।

नंबर से समझें सोने की असली पहचान- ज्वेलरी पर अंकित नंबर सोने की फाइननेस यानी उसमें मौजूद शुद्ध सोने की मात्रा को दर्शाते हैं।

इन नंबरों को देखकर आसानी से समझा जा सकता है कि ज्वेलरी में कितना असली सोना है। विशषज्ञों के मुताबिक, भारत में सबसे ज्यादा इस्तेमास 22 कैरेट यानी 916 सोने का होता है क्योंकि इसमें सबसे ज्यादा मजबूती और शुद्धता का संतुलन बेहतर रहता है।

असली सोना पहचानने के लिए सिर्फ नंबर ही नहीं, बल्कि पूरा हॉलमार्क देखना जरूरी है।

BIS का लोगो-

कैरेट/फाइननेस नंबर (जैसे 916)

HUID (6 अंकों का यूनिक कोड)

ज्वेलर और हॉलमार्किंग सेंटर की पहचान

HUID नंबर आज के समय में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इससे हर ज्वेलरी की यूनिक पहचान होती है और इसे ऑनलाइन भी वेरिफाई किया जा सकता है।

फर्जी हॉलमार्क से सावधान- हाल के मामलों में नकली हॉलमार्क वाले सोने की शिकायतें भी सामने आई हैं। इसलिए सिर्फ 916 लिखा होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि HUID को वेरिफाई करना भी जरूरी है। इसके लिए उपभोक्ता BIS Care ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं, जहां ज्वेलरी की पूरी जानकारी मिल जाती है।

तुरंत सरेंडर करो LPG सिलिंडर! सरकार ने दिखाई सख्ती; PNG कनेक्शन पर जारी किया ये नया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार अब रसोई गैस के पारंपरिक एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भरता कम करने और पाइप्ड नेचुरल गैस को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू कर रही है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी एक आधिकारिक प्रेस रिलीज के अनुसार, सरकार का लक्ष्य उन क्षेत्रों में पीएनजी कनेक्शन का तेजी से विस्तार करना है जहां इसका बुनियादी ढांचा पहले से तैयार है।

क्यों लिया गया यह फैसला- मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल द्वारा जारी पत्र के अनुसार, स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज क्षेत्र में हालिया वैश्विक घटनाक्रमों के कारण एलपीजी पर निर्भरता कम करना जरूरी हो गया है। इसके अलावा, एलपीजी पर दी जा रही भारी सब्सिडी भी सरकार के लिए एक बड़ी आर्थिक चुनौती बनी हुई है।

रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि तेल विपणन कंपनियों को वर्तमान में प्रति एलपीजी सिलिंडर 690 रुपये का नुकसान हो रहा है। सालाना आधार पर यह घाटा 1,38,000 करोड़ रुपये तक पहुँच जाता है। इसके अतिरिक्त, सरकार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 300 रुपये प्रति सिलेंडर की अतिरिक्त सब्सिडी देती है, जिसका वार्षिक बोझ 19,000 करोड़ रुपये है।

सरकार ने तेल कंपनियों और सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन संस्थाओं को निर्देश दिया है कि वे निम्नलिखित मामलों में उपभोक्ताओं को नोटिस जारी करें...

डबल कनेक्शन वाले उपभोक्ता- जिन लोगों के पास पीएनजी कनेक्शन है, लेकिन उन्होंने अभी तक अपना एलपीजी कनेक्शन सरेंडर नहीं किया है। इससे एलपीजी की कालाबाजारी और अनावश्यक उपयोग को रोका जा सकेगा।

संभावित उपभोक्ता- ऐसे लोग जो उन इलाकों में रहते हैं जहाँ पीएनजी पाइपलाइन बिछ चुकी है, लेकिन उन्होंने अभी तक स्विच नहीं किया है।

इस अभियान को सफल बनाने के लिए जिला कलेक्टरों, जिला मजिस्ट्रेटों और नगर निकायों के अधिकारियों को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें निर्देश दिया गया है कि वे स्थानीय स्तर पर उपभोक्ताओं को एलपीजी से पीएनजी की ओर पूरी तरह से स्थानांतरित होने के लिए प्रोत्साहित करें।

पीएनजी के फायदे- सरकार के अनुसार, पीएनजी न केवल एलपीजी की तुलना में अधिक सुरक्षित और उपयोगकर्ता के अनुकूल है, बल्कि यह एक स्वच्छ ईंधन भी है। इससे न केवल विदेशी आयात पर निर्भरता कम होगी, बल्कि सरकारी खजाने पर सब्सिडी का बोझ भी घटेगा।

बच्चों के लिए निवेश में 'टाइम' है सबसे बड़ा हथियार, जल्दी शुरू किया SIP तो कम पैसे में भी बनेगा बड़ा फंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बच्चों के भविष्य के लिए निवेश को लेकर अक्सर माता-पिता यह सोचते हैं कि जब आय बढ़ेगी तब ज्यादा पैसा लगाकर शुरुआत करेंगे। लेकिन एक्सपर्ट्स कहते हैं कि निवेश जल्दी शुरु करना बाद में बड़ी रकम लगाने से कहीं ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान में समय सबसे अहम फैक्टर होता है। SIP एक ऐसा तरीका है जिसमें निवेशक नियमित अंतराल पर छोटी-छोटी रकम निवेश करते हैं।

फायदे क्या हो सकते हैं- विशेषज्ञों का कहना है कि अगर बच्चे के नाम पर निवेश जल्दी शुरू किया जाए, तो कंपाउंडिंग का फायदा लंबे समय तक मिलता है। यानी निवेश पर मिलने वाला रिटर्न भी आगे रिटर्न कमाता है, जिससे समय के साथ पैसा तेजी से बढ़ता है। यही वजह है कि कम रकम से शुरू किया गया SIP भी लंबी अवधि में बड़ी रकम में बदल सकता है। साथ ही कई माता-पिता यह गलती करते हैं कि वे निवेश को टालते रहते हैं और सोचते हैं कि भविष्य में ज्यादा रकम लगाकर इसकी भरपाई कर लेंगे। लेकिन हकीकत यह है कि देर से शुरू किया गया बड़ा निवेश भी, जल्दी शुरू किए गए छोटे निवेश से पीछे रह सकता है।

फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स के अनुसार, निवेश की सबसे बड़ी ताकत समय है, न कि केवल राशि। अगर कोई व्यक्ति अपने बच्चे के लिए जल्दी SIP शुरू करता है, तो उसे लंबी अवधि में ज्यादा कॉर्पस बनाने का मौका मिलता है, जबकि देर से शुरुआत करने पर यह फायदा कम हो जाता है। इसी तरह के विश्लेषणों में भी सामने आया है कि कम उम्र में शुरू किया गया छोटा SIP, बाद में बड़ी रकम के निवेश को भी पीछे छोड़ सकता है, क्योंकि कंपाउंडिंग का समय ज्यादा मिलता है।

उदाहरण के तौर पर आप इसे ऐसे समझें कि अगर आप बच्चे की SIP जल्दी शुरू करते हैं और हर महीने 5000 रुपये निवेश करते हैं। इस निवेश की अवधि अगर आप 20 साल रखते हैं तो अनुमानित रिटर्न 12त्न सालाना मिलेगा। अब सोचिए 20 साल में आपने अपने बच्चे के लिए कितने पैसे जमा कर लिए होंगे।

आखिरी कुछ घंटों में बाजार ने गंवा दी सारी तेजी, निफ्टी गिरकर 23200 पर बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार ने आखिरी कुछ घंटों में सारी बढ़त गंवा दी है और मार्केट गिरावट के साथ बंद हुए। बेंचमार्क इंडेक्स Nifty 27 अंकों की कमजोरी के साथ 23215 पर बंद हुआ। हालांकि, Nifty 87 प्वाइंट्स की तेजी के साथ 74005 पर क्लोज हुआ। इससे पहले दिन के दौरान निफ्टी ने 24400 का स्तर छू लिया था। लेकिन, मुनाफावसूली के चलते दोनों ही इंडेक्स ऊपरी स्तरों से फिसल गए। इस गिरावट के साथ ही एक बार फिर से निफ्टी 23200 के अपने अहम स्तर के पास बंद हुआ है।

खास बात है कि आज एफएमसीजी शेयरों में अच्छी खरीदारी देखी गई। एचयूएल, नेस्ले, डाबर समेत कई शेयर हरे निशान में बंद हुए। वहीं, 10 जून के कारोबारी सत्र में मेटल इंडेक्स 1.1त्न गिरा, जिसमें शामिल 15 में से 14 कंपनियों के शेयर लाल निशान पर बंद हुए। आइये जानते हैं आखिर बाजार में क्यों आई फिर से बिकवाली?

बाजार की गिरावट के बड़े कारण- जियो पॉलिटिकल तनाव- भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का सबसे बड़ा कारण ग्लोबल मार्केट में जारी अनिश्चितता है। इसके चलते आज भी एशियाई बाजारों में गिरावट देखी गई; दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225, चीन का शंघाई स्थ्र कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। मंगलवार को अमेरिकी बाजार भी ज्यादातर गिरावट के साथ बंद हुए। वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स में भी गिरावट देखी गई, जिससे संकेत मिलता है कि अमेरिकी शेयरों की शुरुआत कमजोर हो सकती है।

भारतीय बाजारों में विदेशी निवेशकों की बिकवाली लगातार चिंता का कारण बनी हुई है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 4,566.03 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

मुनाफा वसूली- बाजार में गिरावट की वजह मुनाफावसूली भी रही है। क्योंकि, कारोबार के दौरान निफ्टी और सेंसेक्स अपने अहम लेवल पर पहुंच गए और वहीं से प्रॉफ़िट बुकिंग हावी हो गई।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राजनीति को सत्ता का माध्यम नहीं, राष्ट्र सेवा का सर्वोच्च साधन बनाया- राजेन्द्र शुक्ल

भोपाल। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ क्षण ऐसे हैं जो केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होते, बल्कि राष्ट्र की सामूहिक आकांक्षाओं और विश्वास का प्रतीक बन जाते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के देश की जनता के निरंतर विश्वास के साथ ऐतिहासिक जनादेश प्राप्त कर दीर्घकाल तक राष्ट्र का नेतृत्व करने का अवसर प्राप्त करना गौरवपूर्ण क्षण है। यह केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं, बल्कि नए भारत के निर्माण के संकल्प, सेवा और सुशासन की विजय है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राजनीति को सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का सर्वोच्च साधन बनाया। उनके नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी एक नई पहचान स्थापित की है। आज विश्व भारत को केवल एक बड़ा बाजार नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति, विश्वसनीय साझेदार और भविष्य के नेतृत्वकर्ता के रूप में देखता है। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज पहले से कहीं अधिक प्रभावशाली हुई है और यह परिवर्तन प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शी सोच तथा निर्णायक नेतृत्व का परिणाम है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में स्थापित होना केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं, यह भारत की जनता के अटूट विश्वास और स्नेह का प्रतीक है। निरंतर जनसमर्थन किसी पद या प्रचार से नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, पारदर्शिता, निर्णायक नेतृत्व और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की कार्य शैली से अर्जित होता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्वयं को सदैव ÷प्रधान सेवक÷ के रूप में प्रस्तुत किया और गरीब, किसान, महिला, युवा तथा समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सतत प्रयास किया। यही कारण है कि देश की जनता ने बार-बार उन पर अपना विश्वास व्यक्त किया। उनका सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, अथक कार्यशक्ति, दूरदर्शी सोच और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का स्पष्ट संकल्प करोड़ों भारतीयों को प्रेरित करता है तथा उन्हें जन-जन का प्रिय नेता बनाता है।

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत ने आत्मनिर्भरता, डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना, रक्षा क्षमता, अंतरिक्ष विज्ञान और आर्थिक सुधारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। जनधन, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर जल, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम किसान सम्मान निधि और डिजिटल इंडिया जैसे अनेक कार्यक्रमों से करोड़ों नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। शासन की योजनाएँ पहली बार अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पारदर्शी ढंग से पहुँची हैं।

भारतीय संस्कृति और आस्था के पुनर्जागरण का यह कालखंड इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में रहेगा अंकित- भारतीय संस्कृति और आस्था के पुनर्जागरण का भी यह कालखंड इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा। अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करोड़ों भारतीयों की सदियों पुरानी आस्था की पूर्ति का क्षण था। यह केवल मंदिर निर्माण नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना और आत्म गौरव का पुनर्स्थापन था। जम्मू-कश्मीर से संबंधित ऐतिहासिक निर्णयों ने राष्ट्रीय एकीकरण को नई मजबूती प्रदान की। विकास और लोकतंत्र की मुख्यधारा से जुड़ते हुए जम्मू-कश्मीर आज नए अवसरों की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री जी ने यह सिद्ध किया कि दृढ़ इच्छा शक्ति और स्पष्ट नीति के साथ कठिन से कठिन निर्णय भी राष्ट्रहित में लिए जा सकते हैं।

मध्यप्रदेश को प्रधानमंत्री श्री मोदी का विशेष स्नेह और मार्गदर्शन का निरंतर लाभ प्राप्त हुआ है- मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री श्री मोदी के विशेष स्नेह और मार्गदर्शन का लाभ निरंतर प्राप्त करता रहा है। प्रदेश में सड़क, रेल, सिंचाई, ऊर्जा, शहरी विकास और स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व निवेश एवं परियोजनाओं ने विकास को नई गति दी है। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से गरीब, किसान, महिला और युवाओं के जीवन में बदलाव लाने वाली अनेक योजनाओं का प्रभाव प्रदेश के प्रत्येक जिले तक पहुँचा है। विंध्य क्षेत्र और विशेष रूप से मेरा गृह क्षेत्र रीवा भी इस परिवर्तनकारी यात्रा का साक्षी बना है। रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पावर प्रोजेक्ट ने न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई। यह परियोजना प्रधानमंत्री जी के उस विजन का प्रतीक है जिसमें विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलते हैं। आज रीवा देश के ऊर्जा मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है और विंध्य की पहचान नई संभावनाओं से जुड़ चुकी है। विंध्य क्षेत्र में सड़क संपर्क, रेल सुविधाओं, शिक्षा संस्थानों और आधारभूत संरचना के विस्तार ने विकास के नए द्वार खोले हैं। यह क्षेत्र अब पिछड़ेपन की पहचान से आगे बढ़कर प्रगति और संभावनाओं के केंद्र के रूप में उभर रहा है। इसके लिए प्रधानमंत्री जी का मार्गदर्शन और केंद्र सरकार का सतत सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री के रूप में मुझे यह अनुभव करने का अवसर मिला है कि प्रधानमंत्री जी की सोच केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वस्थ भारत के व्यापक निर्माण की है। आयुष्मान भारत जैसी ऐतिहासिक योजना ने गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की है। मेडिकल कॉलेजों के विस्तार, स्वास्थ्य अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं ने मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दी है। प्रदेश सरकार भी प्रधानमंत्री जी के इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का नेतृत्व हमें यह विश्वास देता है कि विकसित भारत का संकल्प केवल एक सपना नहीं, बल्कि एक साकार होती राष्ट्रीय यात्रा है। उनके नेतृत्व में भारत ने आत्मविश्वास, सांस्कृतिक गौरव और विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। आज प्रत्येक भारतीय गर्व के साथ कह सकता है कि उसका देश विश्व पटल पर नई ऊँचाइयों को छू रहा है। व्यक्तिगत रूप से मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे ऐसे युग निर्माता नेतृत्व के साथ कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

भारतीय चिंतन में आदर्श नेतृत्व का आधार सदैव लोक कल्याण और राष्ट्रहित रहा है।

प्रजासुखे सुखं राज्ञः प्रजानां च हिते हितम्।
नात्मप्रियं हितं राज्ञः प्रजानां तु प्रियं हितम्॥

शासक का सुख प्रजा के सुख में और उसका हित प्रजा के हित में निहित होता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में जनसेवा, सुशासन और राष्ट्र प्रथम की यही भावना निरंतर परिलक्षित होती है। मध्यप्रदेश और विंध्य की जनता की ओर से मैं उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ तथा ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि वे उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और राष्ट्र सेवा की अक्षुण्ण ऊर्जा प्रदान करें, ताकि उनके नेतृत्व में भारत विकसित, आत्मनिर्भर और विश्वगुरु बनने की दिशा में निरंतर अग्रसर रहे।

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भूतेश्वर महादेव मंदिर में हुआ धार्मिक आयोजन

नीमच। 10 जून 2026 को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में निरंतर सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देने का गौरवपूर्ण कीर्तिमान स्थापित किया। यह अवसर प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता एवं राष्ट्रभक्त नागरिक के लिए गौरव, प्रेरणा और उत्सव का विषय है।

जिला मीडिया प्रभारी मनोज माहेश्वरी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष के सफल नेतृत्व पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उनके दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं राष्ट्रसेवा के यशस्वी भविष्य की कामना हेतु भूतेश्वर महादेव मंदिर, नीमच में बुधवार, 10 जून को प्रातः 10:00 बजे से भारतीय जनता पार्टी जिला नीमच द्वारा भगवान भोलेनाथ का विशेष पूजन अभिषेक कर धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन कार्यक्रम आयोजित किए गये।

कार्यक्रम के अंतर्गत भगवान भोलेनाथ का अभिषेक, सामूहिक पूजन एवं आरती का आयोजन किया गया तथा भारत की उन्नति, समृद्धि एवं विकसित भारत 2047 के संकल्प की सिद्धि के लिए विशेष प्रार्थना की गई। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी जी के 12 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने पर विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत समाजसेवी पूर्व रोटरी गवर्नर दर्शनसिंह गांधी एवं श्रीमती सरोज गांधी से उनके निवास पर जाकर प्रधानमंत्री मोदी जी के 12 वर्ष के कार्यकाल पर उनके विचार साझा किए। दर्शन सिंह गांधी ने अपने विचार साझा करते हुए बताया कि मोदी जी द्वारा उनके कार्यकाल में विभिन्न योजनाएं जिसमें उज्ज्वला योजना, जनधन योजना, आयुष्मान योजना ऐसी अनेकों अनेक कई सौगात देश को दी है, जिससे लाखों करोड़ों लोगों के जीवन में बहुत बड़ा बदलाव आया है और साथ ही प्रधानमंत्री जी ने पूरे विश्व में भारत का नाम गोरांवित किया है।

समाजसेवी अशोक जी ने मोदी जी के कार्यकाल को स्वर्णिम ऐतिहासिक बताया एवं इन 12 सालों में देश के विकास ने जो रफ्तार पकड़ी है और आज हम विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं यह अद्भुत अकल्पनीय है।

जनसंपर्क अभियान के तहत मधुसूदन खंडेलवाल, पुरुषोत्तम गुप्ता, अशफाक भाई बोहरा, ओपी मंत्री आदि अनेक प्रबुद्धजनों से घर-घर जाकर संवाद किया गया एवं मोदी जी के 12 साल पूर्ण होने पर उनके अनुभव साझा किये जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी जी को सबका साथ सबका विकास की भावना को लेकर हर वर्ग के कल्याण हेतु काम करने वाला प्रधानमंत्री बताया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती वंदना खंडेलवाल, प्रदेश कार्य समिति सदस्य हेमंत हरित, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा, जिला उपाध्यक्ष राकेश पप्पू जैन, महामंत्र धन सिंह कैथवास, मंडल अध्यक्ष मोहन सिंह राणावत, दारा सिंह यादव, महामंत्री विक्की छाबड़ा, ज्योति सिसोदिया, अर्जुनसिंह सिसोदिया, योगेश जैन, मनोज महेश्वरी, किरण शर्मा, अशोक जोशी, रोशन वर्मा, अरुणा तलरेजा, विकास नामदेव, निशांत अम्ब, अमन दीवान, कृष्णा मेहरा, योगेश कवीश्वर, सतीश हास, विनीत पाटनी ,संजय डांगी, राजेश बैरागी, श्रीमती अंजू यादव, विकास जोशी, रवि जैन, पवन बैरागी, अजेश जाट, शौकीन पामेचा, गजेंद्र चावला, दीपक नागदा, अनुज चौहान ,ओम सिंह लसूडी हाडा तथा पार्टी के सभी जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त करने के विरूद्ध कांग्रेसजनों ने किया धरना प्रदर्शन रखा उपवास

मंदसौर। मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा चुनाव हेतु नामांकन निरस्त किया गया। इसे लेकर शहर एवं ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस के नेतृत्व में बुधवार 10 जून को प्रात- 11 बजे से सायं 4 बजे तक जिला कांग्रेस कार्यालय गांधी चौराहा पर उपवास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातडिया, पूर्व विधायक पुष्पा भारतीय, नवकृष्ण पाटिल, मो. हनीफ शेख रफत पयामी मनजीतसिंह टूटेजा, इष्टा भाचावत अध्यक्ष, शहर ब्लॉक कांग्रेस, विकास दशौरा ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, राजेश रघुवंशी, अजय लोढा, दीपक सिंह गुर्जर, तरुण खींची विश्वनाथ सोनी रमेश ब्रिजवानी रमेश सेठिया सक्लेन करार शंकरलाल पाटीदार शंभूलाल चौहान उमर मों. सहित अनेक कांग्रेस नेताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि राज्यसभा चुनाव में लोकतंत्र की हत्या करते हुए झूठ, षड्यंत्र और सत्ता के दुरुपयोग के माध्यम से पूर्व सांसद आदरणीय मीनाक्षी नटराजन जी का नामांकन निरस्त किया गया। यह लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों पर सीधा प्रहार है। इस अन्याय के विरोध में आज उपवास कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस अवसर पर महेन्द्र सिह गुर्जर, प्रकाश रातड़िया, त्रिदेव पाटीदार, विक्रम विद्यार्थी, पुष्पा भारतीय, मनजीतसिह टूटेजा, अजय लोढा, डॉ प्रीतिपालसिंह राणा, इष्टा भाचावत, विकास दशौरा, दीपक सिंह गुर्जर, सुनिता बंडी, प्रवीण मांगरिया, मो युनुस मेव, मो खलील खान, वर्षा सांखला, निर्विकार रातडिया, राजेश चौधरी, दिनेश नाई, सुरेन्द्र कुमावत, रविन्द्र कुमावत भालोट, विशाल गुर्जर, सुरेश भाटी, इंजि वसीम खान, रमेश ब्रिजवानी, शायर सकलैन, कैलाश मनवानी आदि शामिल रहे।

प्रभु भक्ति और सेवा का संगमः प्रशासन के महत्वपूर्ण पदों पर समाज के रत्न स्पष्टरूपराग जैन, जैन समाज ने जताया गौरव

नीमच। किसी भी समाज की सबसे बड़ी पूंजी उसके संस्कार, उसकी श्रद्धा और उसके वे व्यक्तित्व होते हैं जो सेवा, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा से समाज का नाम रोशन करते हैं। नीमच में ऐसा ही गौरवपूर्ण अवसर तब देखने को मिला जब दिगंबर जैन सोशल ग्रुप जिनागम के प्रतिनिधिमंडल ने नीमच के नवपदस्थ एसडीएम श्री पराग जैन से सौजन्य भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

प्रतिनिधिमंडल ने पराग जैन को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए चैतन्य चमत्कारी संकट मोचन पार्श्वनाथ प्रभु के प्रति अपनी गहरी आस्था व्यक्त की। समाजजनों ने कहा कि प्रभु की असीम कृपा और पुण्योदय से समाज के अनेक प्रतिभाशाली अधिकारी आज महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर पहुंचकर जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं।

समाज के वरिष्ठजनों ने इस अवसर पर विशेष रूप से उल्लेख किया कि वर्तमान में कलेक्टर कार्यालय एवं जिला पंचायत जैसे महत्वपूर्ण कार्यालयों में पराग जैन, जय कुमार, अतुल खटोड़ एवं आशीष जैन जैसे अधिकारी अपनी सेवाओं, कार्यकुशलता और जनहितकारी सोच से आमजन की समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं। यह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि संपूर्ण जैन समाज के लिए गर्व, प्रेरणा और सम्मान का विषय है।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि जब समाज के संस्कारित युवा प्रशासनिक जिम्मेदारियों तक पहुंचते हैं तो सेवा और संवेदनशीलता दोनों का समावेश दिखाई देता है। यही कारण है कि समाज स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

संदीपनी विद्यालय शाहगंज - जहां आधुनिक शिक्षा, भारतीय संस्कार और उत्कृष्ट परिणामों का हो रहा संगम

सीहोर। प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित संदीपनी विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में एक अभिनव और दूरदर्शी पहल के रूप में उभरे हैं। इन विद्यालयों का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को पाठ्य ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि उनमें जीवन मूल्यों, भारतीय संस्कृति, नेतृत्व क्षमता और आधुनिक कौशलों का विकास करना भी है। इसी कड़ी में सीहोर जिले का संदीपनी विद्यालय शाहगंज आज ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का एक प्रेरणादायी केंद्र बन चुका है। विद्यालय का मूल उद्देश्य उत्कृष्ट शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों में मजबूत जीवन मूल्यों और भारतीय संस्कारों का समावेश करना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव अब जमीनी स्तर पर स्पष्ट दिखाई देने लगा है। संदीपनी विद्यालय शाहगंज इसका उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां आधुनिक अधोसंरचना, डिजिटल शिक्षण संसाधन, प्रशिक्षित शिक्षकों और विद्यार्थी-केंद्रित गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा को नए आयाम दिए जा रहे हैं।

विद्यालय में विद्यार्थियों को अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यहां डिजिटल एवं स्मार्ट कक्षाएं, आरामदायक फर्नीचर, जूनियर साइंस लैब, जीव विज्ञान, भौतिकी, रसायन, स्टेम तथा वोकेशनल लैब, संगीत कक्ष, जूनियर एवं सीनियर कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय, गणित प्रयोगशाला, कला कक्ष, चिकित्सा कक्ष, खेल कक्ष, बहुउद्देशीय कक्ष तथा मीटिंग हॉल जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन संसाधनों के माध्यम से विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं बल्कि व्यवहारिक और तकनीकी दक्षता भी प्रदान की जा रही है। विद्यालय की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां शिक्षा को केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रखा गया है।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए परियोजना आधारित शिक्षण, गतिविधि आधारित शिक्षण, खेल-खेल में शिक्षा तथा 21वीं सदी के कौशलों पर आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाया गया है। साथ ही कंप्यूटर शिक्षा, खेल गतिविधियां, शैक्षणिक भ्रमण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्काउट-गाइड, इको क्लब, एनसीसी और एनएसएस जैसी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का बहुआयामी विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

विद्यालय की बढ़ती लोकप्रियता और गुणवत्ता का प्रमाण यहां लगातार बढ़ती छात्र संख्या है। वर्ष 2022-23 में जहां विद्यालय में 646 विद्यार्थी अध्ययनरत थे, वहीं वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 875 हो गई। वर्ष 2024-25 में 1375 तथा वर्ष 2025-26 में 1460 विद्यार्थियों का नामांकन दर्ज किया गया। यह निरंतर बढ़ता विश्वास दर्शाता है कि अभिभावक अब सरकारी शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता को स्वीकार कर रहे हैं और अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए संदीपनी विद्यालयों को प्राथमिकता दे रहे हैं। शैक्षणिक उपलब्धियों की दृष्टि से भी संदीपनी विद्यालय शाहगंज ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम निरंतर बेहतर होता गया है। वर्ष 2022-23 में कक्षा 10वीं का परिणाम 90 प्रतिशत और 12वीं का परिणाम 92 प्रतिशत रहा। इसके बाद वर्ष 2023-24 में 10वीं का परिणाम 92 प्रतिशत तथा 12वीं का 94 प्रतिशत रहा। वर्ष 2024-25 में 10वीं का परिणाम 96 प्रतिशत और 12वीं का 95 प्रतिशत दर्ज किया गया। वहीं वर्ष 2025-26 में विद्यालय ने नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए कक्षा 10वीं में 97 प्रतिशत और कक्षा 12वीं में 98 प्रतिशत परिणाम हासिल किया। यह उपलब्धि विद्यालय के शिक्षकों की मेहनत, विद्यार्थियों की लगन और शासन की दूरदर्शी नीतियों का प्रत्यक्ष परिणाम है।

कलेक्टर की संवेदनशील पहल- गम्भीर बीमारी से पीड़ित बालिका के उपचार हेतु रेडक्रास से 1 लाख की सहायता स्वीकृत

नीमच। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की संवेदनशील पहल पर गम्भीर बीमारी से पीड़ित एक बालिका के उपचार हेतु भारतीय रेडक्रास सोसायटी, नीमच से एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

प्रकरण का विवरण- वार्ड नं. 20, प्रतापनगर, ग्राम कनावटी निवासी आवेदक श्री किशनलाल पिता लालाराम गाड़िया लोहार ने कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया था कि उनकी पोती संजना पिता मोहन गाड़िया लोहार विगत डेढ़ माह पूर्व अत्यंत गंभीर अवस्था में पैसिफिक मेडिकल कॉलेज, उदयपुर में उपचारत है।

आर्थिक तंगी में करवा रहे थे इलाज- आवेदक ने बताया, कि पीड़ित के पिता द्वारा कर्ज लेकर उपचार करवाया जा रहा है, जिससे परिवार आर्थिक संकट में है।

कलेक्टर के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई- कलेक्टर श्री चंद्रा द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में रेडक्रास सोसायटी नीमच द्वारा बालिका के उपचार हेतु एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक तैयार कर प्रदान किया गया है।

मंदसौर में 132 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी एक हजार कैदियों की क्षमता वाली आधुनिक नवीन जेल

मंदसौर। जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में मंदसौर में एक हजार कैदियों की क्षमता वाली अत्याधुनिक नवीन जिला जेल के निर्माण को अंतिम स्वीकृति प्राप्त हो गई है। कलेक्टर अदिति गर्ग के विशेष प्रयासों एवं सतत अनुश्रवण के परिणामस्वरूप मुख्य सचिव की बैठक में इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अंतिम मंजूरी प्रदान की गई है। नवीन जेल का निर्माण लगभग 132.67 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। वर्तमान में संचालित जेल की सीमित क्षमता एवं बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नवीन जेल का निर्माण आधुनिक सुविधाओं एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप किया जाएगा। यह जेल वर्तमान उपजेल से लगभग 8 किलोमीटर दूर ग्राम भूकी, तहसील मंदसौर में जेल विभाग को आवंटित 15.85 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित की जाएगी। नवीन जेल परिसर में एक हजार कैदियों के आवास हेतु पर्याप्त क्षमता वाली बैरकों का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रशासनिक भवन, प्रवेश भवन, ऑडिटोरियम, प्रशिक्षण भवन, वर्कशॉप, अस्पताल, महिला झूलाघर, गार्ड रूम, खुली जेल, वॉच टावर, भंडार गृह एवं आवासीय भवनों का निर्माण भी प्रस्तावित है। जेल परिसर की सुरक्षा एवं आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए बाउंड्री वॉल, मुख्य प्रवेश द्वार एवं अन्य विकास कार्य भी किए जाएंगे। नवीन जेल के निर्माण के लिए ग्राम भूकी स्थित भूमि पूर्व में जेल विभाग को आवंटित की जा चुकी है। इसमें खसरा क्रमांक 21 रकबा 5.79 हेक्टेयर, खसरा क्रमांक 24 रकबा 1.90 हेक्टेयर, खसरा क्रमांक 27 रकबा 3.18 हेक्टेयर तथा खसरा क्रमांक 28 रकबा 4.98 हेक्टेयर भूमि सम्मिलित है।

सिंगोली में श्रमदान से चमक रही देव तलाई, दो जागरूक नागरिक बने मिसाल

सिंगोली। नगर की प्राचीन एवं धार्मिक आस्था का केंद्र देव तलाई इन दिनों दो जागरूक नागरिकों के निस्वार्थ सेवा भाव का साक्षी बन रही है। नगर के शंभूलाल सुथार एवं भेरूलाल धाकड़ द्वारा स्वयं श्रमदान कर देव तलाई की नियमित सफाई की जा रही है, जिससे क्षेत्र में स्वच्छता एवं जनजागरण का सकारात्मक संदेश प्रसारित हो रहा है। दोनों समाजसेवी तलाई में फैली गंदगी, प्लास्टिक एवं अन्य कचरे को स्वयं पानी में उतरकर बाहर निकाल रहे हैं तथा उसके उचित निस्तारण का कार्य कर रहे हैं। उनके इस सराहनीय प्रयास से देव तलाई का स्वरूप निखर रहा है और जल स्रोत को स्वच्छ बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार देव तलाई का जल विशेष धार्मिक एवं प्राकृतिक महत्व रखता है। मान्यता है कि इस जल में स्नान करने से चर्म रोगों में लाभ मिलता है। यही कारण है कि मध्यप्रदेश के साथ-साथ राजस्थान से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां स्नान एवं दर्शन के लिए पहुंचते हैं। कई लोग इसकी तुलना तिलस्वां महादेव के पवित्र जल से भी करते हैं।

सफाई अभियान से जुड़े लोगों का कहना है कि स्वच्छता और जल संरक्षण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

जनसहभागिता से ही पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ समाज का निर्माण संभव है।

नगरवासियों ने शंभूलाल सुथार एवं भेरूलाल धाकड़ के इस सेवा कार्य की मुक्त कंठ से सराहना की है। उन्होंने इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताते हुए अन्य लोगों से भी सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा नगर को सुंदर बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी मो: 9425379389 द्वारा एमआईजी ए-17/1, वेद नगर, नानाखेडा, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित कर प्रियंका ऑफसेट, 2/10 पिपलीनाका, भैरुगढ रोड, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित, सम्पादक : अभय नरवरिया मो: 9584111186 (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)